सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार
वक्त के साथ चलना कोई जरुरी नहीं, सच के साथ चलिए एक दिन वक्त आपके साथ चलेगा।
....अज्ञात

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–11 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 29 जनवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में पदोन्नति पर सस्पेंस, सिस्टम पर उठे सवाल

आईपीएस अधिकारी धर्मेन्द्र से भेदभाव ? मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में पदोन्नति को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी एवं कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र ने मुख्यमंत्री को अभ्यावेदन भेजकर अपने साथ हो रहे कथित भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की है।

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्ष 2024-25 में चार बार उनकी पदोन्नति की अनुशंसा की गई, इसके बावजूद उन्हें जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड (JAG) और उप पुलिस महानिरीक्षक (DIG) पद पर पदोन्नति नहीं दी गई।

जांच बहाना, कार्रवाई निशाने पर

धर्मेन्द्र के खिलाफ लोकायुक्त भोपाल में केवल विवेचना स्तर पर एक मामला लंबित है। न तो चाजर्शीट दाखिल हुई है, न विभागीय जांच शुरू हुई है और न ही कोई मुकदमा कोर्ट में चल रहा है। इसके बावजूद इसी आधार पर उनकी पदोन्नति रोक दी गई। वहीं, महादेव सट्टा ऐप और फोन टैपिंग जैसे गंभीर मामलों में फंसे कई वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नति दे दी गई, जिससे सिस्टम की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

अंदरखाने की कहानी: ईमानदार अफसर बना निशाना ?

पुलिस विभाग के अंदरखाने से संकेत मिल रहे हैं कि स्वतंत्र निर्णय लेने वाले और दबाव में न आने वाले अफसरों को अक्सर पदोन्नति मामलों में रोकने की रणनीति अपनाई जाती है। सूत्रों का दावा है कि यह मामला केवल प्रमोशन का नहीं, बल्कि विभागीय राजनीति का भी हिस्सा है।

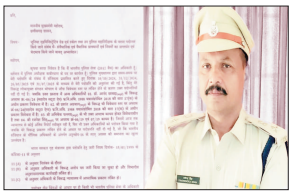

मुख्यमंत्री के फैसले पर टिकी निगाहें

अब यह मामला सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुका है। यदि निष्पक्ष कार्रवाई होती है, तो यह प्रशासन में पारदर्शिता का संदेश देगा। यदि चुप्पी रही, तो सवाल और गहरे होंगे।

अनलॉक रिपोर्ट: नियम अलग, अफसर अलग ?

भारत सरकार गृह मंत्रालय के नियम (15 जनवरी 1999) के अनुसार केवल तीन स्थितियों में पदोन्नति रोकी जा सकती है– निलंबन की स्थिति, विभागीय चाजर्शीट, कोर्ट में आपराधिक मामला, धर्मेन्द्र के मामले में इनमें से कोई भी शर्त लागू नहीं होती। फिर भी उन्हें प्रमोशन से वंचित रखना प्रशासनिक मंशा पर सवाल खड़े करता है।

बराबरी का हक या दोहरी नीति ?

सूत्रों के अनुसार, जिन अधिकारियों को प्रमोशन मिला, उनके खिलाफ– एसीबी-ईओडब्ल्यू में गंभीर केस दर्ज, मामले सीबीआई जांच में, कोर्ट में लंबित प्रकरण, इसके बावजूद उन्हें सभी लाभ दिए गए। जबकि धर्मेन्द्र के मामले में जांच तक पूरी नहीं हुई है, फिर भी उन्हें 'विवादित' बताकर रोक दिया गया।

संविधान का उल्लंघन ? अनुच्छेद-16 पर चोट

आईपीएस अधिकारी ने इसे संविधान के अनुच्छेद-16 के तहत समान अवसर के अधिकार का उल्लंघन बताया है। उनका कहना है कि उनके साथ चयनात्मक कार्रवाई और पूर्वाग्रह के तहत व्यवहार किया जा रहा है।

क्या मिलेगा इंसाफ ?

अब सबसे बड़ा सवाल–
क्या नियम सभी के लिए बराबर हैं ?
क्या सिस्टम पसंद-नापसंद से चलता है ?
क्या ईमानदार अफसरों को पीछे किया जा रहा है ?
छत्तीसगढ़ पुलिस के इस हाई-प्रोफाइल प्रमोशन विवाद पर अब पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हैं।

नुक्कड़ नाटक से गूंजा 'सुरक्षित सफर' का संदेश

प्रमोशन विवाद : समझिए पूरा मामला
अधिकारी : आईपीएस धर्मेन्द्र (2012 बैच),
वर्तमान पद : एसपी, कबीरधाम
मांगा गया पद : JAG / DIG
बाधा : लोकायुक्त में विवेचना
चाजर्शीट : नहीं
कोर्ट केस : नहीं
विभागीय जांच : नहीं
PHQ की अनुशंसा : 4 बार
प्रमोशन : अब तक नहीं

जेवरा सिरसा में अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, वनकर्मी की मौत

दुर्ग। दुर्ग के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में वन विभाग के वनपाल ललित यादव की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वनपाल अपनी मोटर साइकिल से कवर्धा से दुर्ग डाक छोड़ने आ रहे थे। समोदा नाले के पास एक अज्ञात वाहन ने पीछे से उनकी मोटर साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही ललित यादव ने दम तोड़ दिया।

कवर्धा के मुख्य वन संरक्षक कार्यालय में पदस्थ वनपाल ललित यादव की यह दुखद घटना बीती रात हुई। मृतक अपनी ड्यूटी के सिलसिले में कवर्धा से दुर्ग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मारी और फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

नक्सल क्षेत्र बीजापुर में दो नक्सली हुए ढेर कई IED बम भी बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के कोर नक्सल क्षेत्र बीजापुर में आज सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। इस कार्रवाई में दो बड़े कैडर के नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। वहीं, सतर्क जवानों ने नक्सलियों द्वारा लगाए गए भारी मात्रा में आईईडी (IED) बरामद कर उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया है। बीजापुर के दक्षिण इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम को सर्चिंग के लिए रवाना किया गया था। सुबह करीब 7:00 बजे नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। सूत्रों के अनुसार, इस मुठभेड़ में एक अउट रैंक का नक्सली और एक पार्टी सदस्य मारा गया है। जवानों ने मौके से नक्सलियों के शव के साथ पिस्टल, 303 रायफल और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की है। फिलहाल इलाके में रुक-रुक कर फायरिंग जारी है और सुरक्षाबल सर्चिंग अभियान चला रहे हैं। मुठभेड़ के बीच सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की एक और खतरनाक साजिश को नाकाम कर दिया। डीआरजी बीजापुर, थाना इलमिड़ी, और छसबल 9वीं वाहिनी की टीम जब लंकापल्ली क्षेत्र में सर्चिंग कर रही थी, तब सड़क के बीचों-बीच 20-30 किलोग्राम के 02 कएऊ बम बरामद हुए।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई, उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / बारामती (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और जनप्रिय नेता अजित पवार अब पंचतत्व में विलीन हो गए। पुणे जिले के बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान के खेल मैदान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। जैसे ही चिता को मुखाग्नि दी गई, पूरा वातावरण शोक, सम्मान और भावनाओं से भर उठा। 66 वर्षीय अजित पवार का अंतिम संस्कार दोपहर 12:10 बजे संपन्न हुआ। इससे पहले सुबह 9 बजे उनके पैतृक गांव काटेवाडी से करीब 6 किलोमीटर लंबी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोगों ने अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई दी।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी

अंतिम संस्कार में देश और राज्य के कई बड़े नेता शामिल हुए– केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राज्य सरकार के मंत्री, सांसद-विधायक, वरिष्ठ अधिकारी सभी ने पुष्पचक्र अर्पित कर अजित पवार के योगदान को नमन किया और परिवार को ढांढस बंधाया।

आखिरी सलाम

अजित पवार केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि किसानों, युवाओं और गरीबों की आवाज थे। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में जनता के हितों को प्राथमिकता दी। किसान आंदोलन हो या सिंचाई परियोजना, युवाओं का रोजगार हो या ग्रामीण विकास, संकट की घड़ी हो या संघर्ष का समय, हर मोर्चे पर वे जनता के साथ खड़े रहे। इसी कारण अंतिम यात्रा में शामिल एक ग्रामीण ने कहा– 'दादा हमारे परिवार का हिस्सा थे।'

राजनीतिक सफर की झलक

1980 के दशक में राजनीति में प्रवेश, पहली बार विधायक बने, कई बार मंत्री और उपमुख्यमंत्री, वित्त, सिंचाई, ग्रामीण विकास में अहम भूमिका, महाराष्ट्र की राजनीति का मजबूत स्तंभ है।

'तिरंगे में लिपटे अजित पवार को अंतिम विदाई देते हजारों समर्थक – बारामती में भावुक दृश्य'

तिरंगे में लिपटा 'दादा', हर आंख हुई नम

अजित पवार के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर बारामती लाया गया। अंतिम यात्रा के दौरान सड़कों के दोनों ओर खड़े लोगों ने फूल बरसाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कहीं महिलाएं रो रही थीं, कहीं बुजुर्ग हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रहे थे, तो कहीं युवा 'अजित दादा अमर रहें' के नारे लगा रहे थे। पूरा क्षेत्र एक भावनात्मक सागर में डूबा नजर आया।

शोक में डूबा महाराष्ट्र

अंतिम संस्कार के दिन बारामती समेत पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल रहा। अधिकांश दुकानें बंद रहीं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोगों के चेहरे पर उदासी और आंखों में आंसू थे। हर तरफ सिर्फ एक ही चर्चा 'अब ऐसा नेता फिर नहीं मिलेगा।'

नेताओं की श्रद्धांजलि

अमित शाह :
अजित पवार का जाना NDA परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।
नितिन गडकरी :
वे विकास के सच्चे योद्धा थे।
नितिन नवीन :
जनता से जुड़े नेता हमेशा याद रहेंगे।

एक युग का अंत

अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति की विदाई नहीं, बल्कि एक राजनीतिक युग का अंत है। वे सत्ता में रहते हुए भी जमीन से जुड़े रहे। आज की राजनीति में ऐसे नेता दुर्लभ होते जा रहे हैं। उनकी सादगी, संघर्ष और जनसेवा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। महाराष्ट्र ने आज एक ऐसा बेटा खो दिया, जिसकी कमी कभी पूरी नहीं होगी।

अंतिम यात्रा की प्रमुख झलकियां

सुबह 9 बजे काटेवाडी से यात्रा शुरू, करीब 6 किलोमीटर लंबा काफिला, हजारों समर्थक शामिल, फूलों की बारिश, 'दादा अमर रहें' के नारे, लगते रहे

अपराध NSUI के संघर्ष से दर्ज हुई FIR, असामाजिक मानसिकता को अब बख्शा नहीं जाएगा

सोशल मीडिया में गालीबाज पर आखिर कानून का शिकंजा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

27 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एआईसीसी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ लगातार अभद्र भाषा, गाली-गलौज एवं समाज में द्वेष फैलाने वाले अमित सेन के विरुद्ध थाना सिविल लाइन रायपुर में अपराध दर्ज किया गया। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 196, 352, 353(2) एवं 356 के तहत मुकदमा कायम कर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

इस पूरे मामले को लेकर रायपुर जिला ठरवकअध्यक्ष शान्तनु झा के नेतृत्व में ठरवक के तमाम कार्यकर्ता एवं कांग्रेसजन दोपहर लगभग 2:30 बजे सिविल लाइन थाना पहुँचे और थानाप्रभारी दीपक पासवान को ज्ञापन सौंपते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग पर अडिग रहे। लगातार दबाव और जनआक्रोश के बाद शाम लगभग 5 बजे आरोपी के विरुद्ध FIR दर्ज की गई।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शान्तनु झा ने कहा कि भाजपा-आरएसएस के इशारों पर सोशल मीडिया में जहर फैलाने वाले ऐसे तत्व लोकतंत्र और सामाजिक सौहार्द के दुश्मन हैं। कांग्रेस और ठरवक का हर कार्यकर्ता ऐसे लोगों के खिलाफ मजबूती से खड़ा रहेगा और अन्याय का हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब देगा। किसी भी कीमत पर नफरत और गाली की राजनीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर फैल रही गंदगी के खिलाफ चेतावनी है कि कानून सबके लिए समान है और असामाजिक मानसिकता को अब बख्शा नहीं जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सन्नी अग्रवाल,विनोद चंद्राकर जी,पवन साहू, देवेंद्र यादव, NSUI महासचिव निखिल बघेल, महामंत्री सूरज साहू, भोजराज चौहान, आकाश देवांगन, नवीन, संस्कार,अभिनव, अथर्व सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

रायपुर के सिविल लाइन इलाके से पुलिस ने किए 23 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला द्वारा सभी पुलिस अधिकारियों एवं कमर्चारियों को रात्रि गश्त को मुस्तैदी के साथ करने तथा अपराधों को घटित होने से पूर्व रोकने के निर्देश दिए गए हैं। देर रात गश्त ड्यूटी के दौरान पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) राहुल देव शर्मा एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली दीपक मिश्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारियों सहित पुलिस टीमों द्वारा शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रात्रि गश्त की गई।

गश्त के दौरान थाना सिविल लाइन क्षेत्र में अड्डेबाजी करते हुए एवं संदिग्ध रूप से घूमते हुए कुल 23 व्यक्तियों को पकड़ा गया। इनमें से कुछ व्यक्ति चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों में सवार थे, जिनके पास अवैध रूप से चाकू एवं तलवार पाए गए। उक्त आरोपियों के कब्जे से 03 चाकू एवं 01 तलवार बरामद की गई, जिस पर थाना सिविल लाइन में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार रात 12:00 बजे से 03 बजे तक आजाद चौक क्षेत्र में मोबाइल चेक पोस्ट लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई। साथ ही बस स्टैंड, रजबंधा मैदान एवं बोरियाखुर्द कॉलोनी क्षेत्रों में गुण्डा बदमाशों, निगरानी बदमाशों, लगातार अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों सहित अन्य आपराधिक तत्वों की भी सघन चेकिंग की गई।

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और संस्कृति का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : कश्यप

वनमंत्री केदार कश्यप ने बस्तर विकासखंड को दी 5 .84 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, जीर्णोद्धार और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मंत्री श्री कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बस्तर विकासखंड में 5 करोड़ 84 लाख 76 हजार रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने फरसागुड़ा, सोरगांव, चेराकुर और छोटेअलनार में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुई और ग्रामीणों को विकास योजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री कश्यप ने कहा कि चेराकुर क्लस्टर के लिए सबसे अधिक 4 करोड़ 85 लाख 98 हजार रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 4 करोड़ 64 लाख 98 हजार रुपए की लागत से बनने वाली चेराकुर से कोलेबेडा सड़क निर्माण प्रमुख है। यह सड़क क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी और ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाएगी। साथ ही जल निकासी एवं यातायात सुधार के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिया निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। सोरगांव और छोटेअलनार में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। सोरगांव क्लस्टर में 30 लाख 38 हजार रुपए की लागत से केशरपाल में सांस्कृतिक भवन, नयागुड़ापारा में सांस्कृतिक मंच, कुच्चीगुड़ा में सामुदायिक भवन और बनियागांव में हाई मास्क लाइट लगाने के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार छोटेअलनार में 50 लाख 50 हजार रुपए की लागत से धवड़ागुड़ा, मांझीपारा और टेमरुगुड़ा में सामुदायिक भवनों का निर्माण प्रारंभ किया गया। ग्राम पंचायत छोटेअलनार की पेयजल समस्या को दूर करने हेतु पानी टैंकर का वितरण भी किया गया। देवड़ा और तारागांव में पुलिया निर्माण का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत फरसागुड़ा से हुई, जहाँ 17 लाख 90 हजार रुपए की लागत से आंगनबाड़ी केंद्र में अहाता निर्माण, शिवगुड़ी तालाब के पास मंडली भवन और भानपुरी में माता मंदिर के पास पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि सुदूर वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और संस्कृति का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेराकुर-कोलेबेडा सड़क को क्षेत्र की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि 4.80 किलोमीटर लंबी यह सड़क ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि चेराकुर में जल निकासी सुधार हेतु पुलिया निर्माण भी कराया जा रहा है।

वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि आदिवासी संस्कृति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु सांस्कृतिक भवन एवं सामुदायिक भवन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोरगांव और छोटेअलनार में इन भवनों के निर्माण से सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्वीकृत सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराए जाएंगे ताकि ग्रामीणों को शीघ्र लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कमर्चारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजस्व मंत्री ने ग्राम भैंसा में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मंगलवार को जिले के सिमगा विकासखंड के ग्राम पंचायत भैंसा में आयोजित विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 24 लाख 50 हजार रुपये लागत के चार विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जिसमें 5 लाख रुपये के सांस्कृतिक भवन व 4 लाख 50 हजार रुपये के फूड ग्रेन स्टोरेज बिल्डिंग का लोकार्पण एवं 10 लाख रुपये के सामुदायिक भवन व 5 लाख रुपये के सीसी रोड का भूमिपूजन शामिल है।

राहत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी राज्य सरकार ने 18 लाख पीएम आवास को दी मंजूरी

इस अवसर पर राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार शहर से लेकर गांव के विकास के लिये संकल्पित है। अब छत्तीसगढ़ में चहूंमुखी विकास हो रहा है जिससे शांति व समृद्धि दिखाई दे रहा है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपये में खरीदी की जा रही है। उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा का भी ध्यान दिया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिये महतारी वंदन जैसे महत्वपूर्ण योजना लागू किया गया है जिसमें हर महीने एक हजार रुपया सीधे हितग्राही के बैक खाता में जमा हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी ने गरीबों का पक्के मकान के सपने को साकार करने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना लागू किया है और अब हर पात्र हितग्राही का पक्का मकान बन रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने 18 लाख पीएम आवास मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने हम सबको अपनी भागीदारी निभानी होगी। भारत के साथ छत्तीसगढ़ भी विकसित प्रदेश बनेगा। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि,ग्राम सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

धान खरीदी व्यवस्था से किसान खुश, बिहारी सिंह की कहानी बनी शासन का सशक्त प्रमाण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में लागू की गई तकनीक आधारित डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था आज केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे का मजबूत आधार बन चुकी है। यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी और भरोसेमंद है, इसका जीवंत उदाहरण मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अंतर्गत ग्राम कोड़ा के किसान बिहारी सिंह की कहानी से सामने आता है।

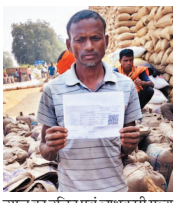

किसान बिहारी सिंह ने कोड़ा उपार्जन केंद्र में कुल 77.20 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। शासन द्वारा निर्धारित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक खरीदी की नीति के अंतर्गत उन्हें अपनी संपूर्ण उपज का उचित एवं लाभकारी मूल्य प्राप्त हुआ। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और समयबद्ध रही। धान विक्रय हेतु किसान बिहारी सिंह का टोकन ऑफलाइन माध्यम से जारी किया गया था, इसके बावजूद उपार्जन केंद्र पर उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल प्रणाली के साथ-साथ उन किसानों के लिए भी प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जो ऑनलाइन प्रक्रियाओं से पूर्णतः सहज नहीं हैं।

उपार्जन केंद्र में किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। डिजिटल कांटे से सटीक तौल, सुव्यवस्थित भुगतान प्रणाली तथा भीड़-भाड़ से मुक्त वातावरण ने पूरी प्रक्रिया को भरोसेमंद और सुगम बना दिया। अपने अनुभव साझा करते हुए किसान बिहारी सिंह ने बताया कि पूर्व वर्षों में धान विक्रय के दौरान अनिश्चितता और भुगतान में देरी आम बात थी, किंतु इस वर्ष की तकनीक आधारित व्यवस्था ने उन्हें मानसिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर राहत प्रदान की है। छत्तीसगढ़ की यह डिजिटल धान खरीदी प्रणाली आज किसानों के लिए पारदर्शिता, विश्वास और सुशासन का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभर रही है।

अपर कलेक्टर सचिन ने जन चौपाल में सुनी जनता की समस्याएं

निर्देश

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जन चौपाल में उठाए गए मुद्दों पर नियमित फॉलो-अप करें और समस्याओं का त्वरित समाधान करें

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित आज की जन चौपाल में अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा ने जिले के आम नागरिकों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध एवं नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर जन चौपाल में कुल 48 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें कृषि, रोजगार, पंजीयन, योजना लाभ और अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दे प्रमुख थे।

जन चौपाल में ग्राम रूमेकेल निवासी परसराम ध्रुव ने बैटरी चालित ट्राइसाइकिल के लिए आवेदन किया। वहीं ग्राम छपोराडीह के ग्रामीणों ने ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि देने की मांग रखी। ग्राम ढोड के रोहित कुमार साहू ने अपनी विकलांगता को ध्यान में रखते हुए रोजगार दिलाने हेतु आवेदन किया। इसी तरह ग्राम कोल्हा निवासी मीना साहू ने वारिसान पंजीयन संबंधी आवेदन किया, जबकि ग्राम कुसमी के ग्रामीणों ने गांव के शासकीय चारागाह और घास जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग की। ग्राम बरबसपुर निवासी चंद्र प्रकाश साहू ने पंजीयन धान सोसाइटी में बिक्री के लिए अतिरिक्त समय प्रदान करने हेतु आवेदन किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, रकबा संशोधन, धान बिक्री, अवैध अतिक्रमण, और दीनदयाल उपाध्याय योजना से संबंधित आवेदन भी जन चौपाल में प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने सभी आवेदनकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से देखें और निर्धारित समय सीमा में समाधान सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा ने कहा कि जन चौपाल का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। इससे न केवल आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर आशीष कर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी और विभागीय कमर्चारी उपस्थित थे। उन्होंने अपर कलेक्टर के मार्गदर्शन में आवेदनकों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों और सुझावों को नोट किया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जन चौपाल में उठाए गए मुद्दों पर नियमित फॉलो-अप करें और समस्याओं का त्वरित समाधान करें। अपर कलेक्टर ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की जन चौपालें समय-समय पर आयोजित की जाएंगी, ताकि जनता के सामने आने वाली समस्याओं का निस्तारण प्रशासनिक रूप से सुनिश्चित हो सके।

सांसद अग्रवाल की कार्यप्रणाली से प्रभावित हुए शिवराज सिंह चौहान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल के निवास पहुँचे और उनसे सौजन्य भेंट की साथ ही परिवार के सदस्यों से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के कार्यालय का अवलोकन किया तथा उसकी कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा।

कार्यालय में अपनाई गई व्यवस्थाओं, अनुशासित कार्यशैली और सुव्यवस्थित संचालन को देखकर उन्होंने विशेष रूप से प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल का कार्यालय पूरी तरह ह्वेल मैनेज्डह्व है।

यह प्रशासनिक दृष्टि से एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने अपने निज सहायक को भी निर्देशित किया कि यहाँ अपनाई गई अच्छी कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेस) को अपने कार्यालय में लागू किया जाए। शिवराज सिंह चौहान ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के कार्यों, जनसेवा के प्रति समर्पण और कुशल संगठन क्षमता की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि उनका कायर्शैली जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, मंत्री राम विचार नेताम, मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक अजय चंद्राकर, विधायक सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विजय अग्रवाल उपस्थित रहे।

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की कलेक्टर ने ली बैठक

नई दृष्टिबिंदु / गौरेला पेंड्रा मरवाही

प्रोत्साहन

पूंजी निवेश के साथ-साथ प्रत्यक्ष रुप से 38 लोगों को होगा रोजगार प्राप्त

कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में औद्योगिक विकास, निवेश को सुगम बनाने और हितग्राही मूलक योजनाओं तथा संभावित औद्योगिक निवेश पर चर्चा की गई।

बैठक में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ने बताया कि जिले में वर्ष 2025-26 में नवीन स्थापित उद्योग की संख्या 7 है, जिनमें कुल पूंजी निवेश 9 करोड़ 41 लाख 95 हजार रुपये के साथ 45 लोगों को रोजगार दिया गया है। लघु एवं सूक्ष्म श्रेणी के इन औद्योगिक इकाईयों में ग्राम धनपुर, कुड़कई एवं गिरवर में राईस मिल, ग्राम मड़ना में दो एवं अंजनी एक वेयर हाउस और ग्राम तरईगांव में फ्लाई एश ईंट निर्माण इकाई शामिल है।

महाप्रबंधक ने बताया कि जिले में नवीन प्रस्तावित उद्योगों की संख्या 4 है, जिनमें 10 करोड़ 35 लाख 63 हजार रुपये पूंजी निवेश के साथ-साथ प्रत्यक्ष रुप से 38 लोगों को रोजगार प्राप्त होने की संभावना है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में बैंको को भेजे गए प्रकरणों की जानकारी दी।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, प्रभारी अपर कलेक्टर अमित बेक, महाप्रबंधक उद्योग एल पी गुप्ता सहित वन, विद्युत, जल संसाधन, लोक निर्माण, खनिज, श्रम, कृषि और नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मांग बिलासपुर बायपास, मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग का विस्तार रायपुर तक करने व भारतमाला परियोजना अंतर्गत रायपुर-बिलासपुर 6-लेन मार्ग स्वीकृत करने अनुरोध

उप मुख्यमंत्री साव ने नई दिल्ली में की केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री गडकरी से मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने नईदिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य शासन द्वारा प्रस्तावित विभिन्न सड़क परियोजनाओं को मंजूर करने का आग्रह किया। उन्होंने श्री गडकरी से बिलासपुर शहर में यातायात का दबाव कम करने बायपास निर्माण, रायपुर और बिलासपुर के बीच भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर (आरंग) से बिलासपुर (दर्री) तक 6-लेन मार्ग की मंजूरी तथा मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग का विस्तार रायपुर तक करने का अनुरोध किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में 13 राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के साथ ही 8 सड़कों को नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी आग्रह किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने मुलाकात के दौरान केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को अवगत कराया कि बिलासपुर शहर में लगातार बढ़ती आबादी और वाहनों के कारण यातायात का काफी दबाव है, जिससे निरंतर जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने इसके समाधान के लिए राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के माध्यम से शहर के बाहर से होकर उच्च न्यायालय बोदरी से सेंदरी तक करीब 32 किमी लंबा फोरलेन बायपास स्वीकृत करने का अनुरोध किया। यह बायपास बिलासपुर शहर के प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर और लॉजिस्टिक पार्क को रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। साथ ही शहर के भीतर यातायात के दबाव को प्रभावी तरीके से कम करते हुए औद्योगिक विकास संचार तंत्र एवं नियोजित शहरी विस्तार को बढ़ावा देगा।

श्री साव ने राज्य के उत्तरी हिस्से में कोल माइन्स एवं दक्षिणी हिस्से में आयरन माइन्स को देखते हुए औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने, कोयला एवं लौह अयस्क के परिवहन, स्टील व सीमेंट उत्पाद को बाहर भेजने तथा प्रदेशवासियों के सुचारू आवागमन के लिए मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग को ग्रीन फील्ड सड़क के रूप में रायपुर तक विस्तारित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रायपुर-नागपुर-मुंबई एक्सेस कंट्रोल 8-लेन कनेक्टीविटी से राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्री गडकरी से भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर के आरंग से बिलासपुर के दर्री तक लगभग 95 किमी 6-लेन मार्ग के निर्माण की मंजूरी प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने श्री गडकरी को बताया कि वतर्मान में रायपुर से बिलासपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग जुड़ा हुआ है, किंतु एक्सेस कंट्रोल नहीं होने के कारण राज्य की तीनों भारतमाला परियोजनाओं के बीच सीधा संपर्क नहीं हो पा रहा है। आरंग-दर्री मार्ग के निर्माण से रायपुर से बिलासपुर की दूरी एक घंटे में तय होगी तथा तीनों भारतमाला सड़कों के आपस में जुड़ जाने से सीधा संपर्क होगा, जिससे सभी तरह के परिवहन में समय, धन और ऊर्जा की बचत होगी।

श्री साव ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से राज्य के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों के 13 खंडों के उन्नयन के लिए राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रदेश की सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए विद्यमान मार्गों को उन्नत किए जाने पर जोर देते हुए आठ सड़कों को नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी अनुरोध किया।

महात्मा गाँधी के निर्वाण दिवस पर टाउनहाल प्रांगण स्थित मूर्ति स्थल में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर रायपुर के ऐतिहासिक टाउनहाल के प्रांगण में स्थित महात्मा गाँधी की मूर्ति के सामने उनके निर्वाण दिवस (शहीद दिवस) 30 जनवरी को सुबह 11 बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। साथ ही स्थल पर सर्व धर्म प्राथर्ना सभा रखी गयी है, जिसमें विद्वान धर्मावलम्बियों द्वारा पवित्र धर्म ग्रंथों का पठन किया जाता है।

शहीद दिवस पर राष्ट्र के अमर शहीदों को कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा दो मिनट की सामूहिक मौन श्रद्धाजलि प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे दी जाती है। कार्यक्रम में महात्मा गाँधी से संबधित मूर्ति स्थल में नियत दिवस को प्रतिमा स्थल का संधारण और प्रतिमा सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, प्रतिमा की पुष्पसज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम रायपुर के सम्बंधित क्षेत्र जोन क्रमांक 4 के सहयोग से की जायेगी।

खास खबर

जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ. मिंज ने किया ध्वजारोहण, उत्कृष्ट कर्मियों का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला चिकित्सालय परिसर में 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ध्वजारोहण चिकित्सालय प्रमुख सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. ए.के. मिंज द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज दानी, पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजू ग्लैंड, आरएमओ डॉ. अखिलेश यादव उपस्थित रहे। साथ ही जीवन दीप समिति के कार्यकारिणी सदस्य विजय ताम्रकार, आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे।

उपस्थित चिकित्सकों में डॉ. हेमंत साहू, डॉ. आर.के. मल्होत्रा, डॉ. बी.आर. साहू, डॉ. विपिन जैन, डॉ. सरिता मिंज, डॉ. आर.के. नायक, डॉ. संजय वालवेंद्र, डॉ. बी.एल. मरकाम, डॉ. देवेंद्र साहू, डॉ. विनीता ध्रुव, डॉ. श्रेया, डॉ. ओ.पी. वर्मा शामिल रहे। इसके अतिरिक्त मेट्रन सी. बोरकर, सरोज सिंह, शाइनी चेरियन, सती गुप्ता सहित अन्य नर्सिंग एवं स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य कर्मचारी संघ दुर्ग इकाई के अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता, वी.एस. रावत, लक्ष्मी धोते सहित संघ के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। ध्वजारोहण के पश्चात सेवा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य संघ के संभागीय अध्यक्ष अजय नायक द्वारा किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

टैक्स नहीं भरने पर कटे नल कनेक्शन, दबाव में कई बकायादारों ने किया भुगतान

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा बकाया कर वसूली को लेकर लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश एवं राजस्व अधिकारी आर.के. बोरकर के मार्गदर्शन में राजस्व उप निरीक्षक संजय मिश्रा, राजस्व उप निरीक्षक रामखिलावन शर्मा, के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने आज वॉर्ड क्रमांक 27 एवं 28 में कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान वॉर्ड नंबर 28 में सोहन सिंह/तुलसा सिंह द्वारा लंबे समय से 1,34,807 रुपये का टैक्स जमा नहीं किए जाने पर उनके परिसर के दो नल कनेक्शन विच्छेदित किए गए। इसी वॉर्ड में पुष्पा देवी/प्रताप सूर्यवंशी के यहां भी 53,349 रुपये बकाया टैक्स नहीं चुकाने पर एक नल कनेक्शन काटा गया।

कार्रवाई के दबाव में वॉर्ड 28 के ही कृपाल सिंह ने मौके पर 14,872 रुपये टैक्स राशि जमा की। वहीं वॉर्ड नंबर 27 में सरस्वती त्रिपाठी ने नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्रवाई से बचने के लिए 23,497 रुपये का भुगतान किया। इसी वॉर्ड में संजय ताम्रकार ने भी 15,673 रुपये टैक्स राशि निगम में जमा की। नगर निगम के राजस्व विभाग ने स्पष्ट किया कि बकाया टैक्स जमा नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय पर कर का भुगतान कर अनावश्यक कार्रवाई से बचें।

आकाश झमनानी ने सौर ऊर्जा से पाई बिजली बिल से आजादी

दुर्ग। बदलती जीवन शैली और विद्युत चलित उपकरणों के प्रयोग में लगातार वृद्धि से बिजली बिल में बढ़ोतरी के बीच हुडको निवासी आकाश झमनानी ने एक ऐसी मिसाल पेश की है जो शहर के अन्य नागरिकों के लिए प्रेरणा बन गई है। आकाश जी ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल सिस्टम लगवाया है, जिसके बाद पिछले 6 महीनों से उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है। श्री झमनानी ने बताया कि बिजली की बढ़ती जरूरत के कारण घर का बिजली बिल लगातार बढ़ रहा था, जिससे वे काफी चिंतित थे। उन्होंने देखा कि उनके पड़ोसी ने सोलर पैनल लगवाए हैं और उन्हें उसका काफी लाभ मिल रहा है। पड़ोसी से मिली सकारात्मक जानकारी के बाद उन्होंने भी अपने घर पर सोलर प्लांट इंस्टॉल करवाया।

श्री झमनानी के अनुसार, इस पूरे प्रोजेक्ट में उन्हें सरकार की ओर से 1,08,000 रूपए की भारी सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे उनके लिए यह निवेश बेहद आसान हो गया। वे बताते हैं कि इंस्टॉलेशन टीम ने बेहतरीन सर्विस दी और कनेक्शन करने से लेकर चालू करने तक की पूरी प्रक्रिया को बहुत ही सुचारू रूप से पूरा किया। श्री झमनानी ने बताया कि पिछले 6 महीनों से मैंने बिजली बिल के नाम पर एक रुपया भी नहीं दिया है। यह न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी सबसे सुरक्षित और साफ-सुथरा विकल्प है। घर पर सोलर पैनल लगवाने के बाद होने वाली बचत के की वजह से श्री झमनानी अब अपनी दुकान के लिए भी कमर्शियल सोलर प्लांट लगवाने की तैयारी कर रहे हैं।

पुरई में हुआ नेशनल कैंप का आयोजन, 9 दिनों तक हुई खो-खो में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

खेलगांव में स्पोर्ट्स का बड़ा इवेंट, खो-खो के नामचीन प्रशिक्षकों ने प्लेयर्स को दी ट्रेनिंग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्पोर्ट्स हब दुर्ग जिले की खेलधानी पुरई में नेशनल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में पूरे छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में अंडर-14 एज ग्रुप के बॉयज प्लेयर्स ने भाग लिया। अपने-अपने जिले से सलेक्ट होकर पुरई के नेशनल कैंप के लिए पहुंचे प्लेयर्स ने 09 दिनों तक दमखम दिखाया। इस दौरान नेशनल से लेकर इंटरनेशनल प्लेयर्स और खो-खो के नामचीन प्रशिक्षकों के द्वारा प्लेयर्स को ट्रेनिंग दी गई।

छत्तीसगढ़ एमेच्योर खो-खो संघ के तत्वावधान में सब जूनियर अंडर-14 नेशनल कोचिंग कैंप का आयोजन सत्या खो-खो क्लब पुरई के संयोजन और नेतृत्व में आयोजित किया गया। यह कैंप 21 जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है।

सत्या खो-खो क्लब पुरई के संरक्षक और लीड कोच भुनेश्वर साहू ने बताया कि यह सौभाग्य की बात है कि नेशनल के लिए कोचिंग कैंप की मेजबानी खेलधानी दुर्ग जिले को मिली है। इसके लिए हम लोगों ने काफी मेहनत की। अलग-अलग जिलों से सलेक्ट होकर पहुंचे प्लेयर्स को हमारी अनुभवी प्रशिक्षकों के द्वारा तराशने और उनके खेल कौशल को निखारने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी इच्छा है कि अब हम नेशनल कोचिंग कैंप से आगे बढ़ते हुए नेशनल और फिर इंटरनेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी दुर्ग जिले में कराई जा सके। इसलिए हमारी टीम और प्रशिक्षक भरसक प्रयास कर रहे है।

7 जिले के खिलाड़ी पहुंचे

मुख्य कोच भुनेश्वर साहू ने बताया कि कोचिंग कैंप से पहले हरेक जिले में प्लेयर्स का सलेक्शन किया गया। ताकि हर जिले से बेहतर प्लेयर निकलकर आ पाए। यहां प्रदेश भर के चुनिंदा प्लेयर्स को ही मौका मिल पाया। उन्होंने बताया कि कैंप में नारायणपुर, कांकेर, रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और दुर्ग जिले के सलेक्टेड प्लेयर्स ने कैंप में हिस्सा लिया। कैंप में कुल 30 प्लेयर्स ने हिस्सा लिया।

हरियाणा में होगा 35वीं नेशनल टूर्नामेंट का आयोजन

भुनेश्वर साहू ने बताया कि कैंप के लिए सलेक्टर्स द्वारा छत्तीसगढ़ की टीम का गठन शीघ्र किया जाएगा। सलेक्टेड टीम नेशनल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेगी। 35वीं नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में आगामी 31 जनवरी से लेकर चार फरवरी तक किया जाएगा।

-इनकी रही महती भूमिका

इस नेशनल कैंप में पुरई के सरपंच डोमार सिंह साहू, उप सरपंच शीतला ठाकुर, सत्या खो-खो क्लब के अध्यक्ष गुलाब साहू, सत्या खो-खो क्लब के उपाध्यक्ष शिवकुमार साहू और साहू समाज के अध्यक्ष दीनानाथ साहू, सुखिंत राम यादव, क्लब के संरक्षक और ग्राम के पंच छबिलाल साहू, बिसौहा राम पटेल, बलदाऊ राम साहू, खो-खो नेशनल-इंटरनेशनल प्लेयर्स, निर्णायक, प्रशिक्षक और पुरई सहित आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

खो-खो की बारीकी से कराया अवगत, डेली हुए मैच

जनरल सर्किट ट्रेनिंग, स्पेसिफिक सर्किट ट्रेनिंग, ऑन बॉडी स्ट्रैंथ एक्सरसाइज, लैडर एक्सरसाइज, एजिलिटी एक्सरसाइज, स्टेयर रनिंग, वेट ट्रेनिंग जैसी अति महत्त्वपूर्ण ट्रेनिंग दी गई। साथ ही रोजाना कम से कम दो-दो मैच कराए गए। इसमें क्लब के सीनियर प्लेयर और कोच थालेश्वर साहू, मोरध्वज पटेल, गजेन्द्र साहू और ठाकुर राम साहू की अहम भूमिका रही।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में 0-6 वर्ष के बच्चों के लिए आधार पंजीयन शिविर शुरू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के अपंजीकृत बच्चों के लिए आधार पंजीयन शिविर मंगलवार, 27 जनवरी 2026 से प्रारंभ कर दिए गए हैं। यह कदम बच्चों के अधिकार सुनिश्चित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़े रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी जाम्बुलकर ने बताया कि प्रथम चरण में दुर्ग शहरी, भिलाई-01 एवं भिलाई-02 परियोजना क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में शिविर आयोजित किए गए हैं। शिविरों के संचालन में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी ने सहयोग प्रदान किया। इन शिविरों का उद्देश्य बच्चों का नवीन आधार पंजीयन सुनिश्चित करना तथा पुराने आधार विवरणों का आवश्यक अपडेट करना है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीयन के दौरान बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता का पहचान पत्र एवं निवास प्रमाण शामिल हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि आधार पंजीयन से न केवल बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा, बल्कि उनके पहचान और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित होगी। मंगलवार को जिले में कुल 17 स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। इस दौरान 267 बच्चों का नया आधार पंजीयन और 60 बच्चों के आधार विवरण में संशोधन किया गया। जिला अधिकारी ने बताया कि शिविरों का संचालन प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में पाली-पाली किया जा रहा है, ताकि सभी बच्चों का पंजीयन समयबद्ध तरीके से किया जा सके।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के पंजीयन के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सक्रिय रूप से उपस्थित हों। शिविर में पंजीकरण करने से बच्चों को भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सरकारी लाभों से सीधे लाभ मिलेगा। इसके साथ ही यह प्रयास सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के तहत ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने में सहायक होगा। जिला प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि शिविर में उपस्थित सभी कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान की गई है, ताकि पंजीयन प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बच्चों को समान रूप से आधार पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए विशेष मोबाइल टीमों का भी गठन किया गया है। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में चल रहे आधार पंजीयन शिविर से अनुमानित रूप से हजारों बच्चों का लाभ होगा।

तिरगा व चंदखुरी में आयोजित देवी जस गायन व झांकी स्पर्धा में पहुंचे विधायक ललित चंद्राकर

जस झांकी स्पर्धा हमारी संस्कृति व परंपरा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिरगा व चंदखुरी में दो दिवसीय देवी जस गायन एवं झांकी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं क्षेत्रवासियों के लिए मंगल कामना की। इस अवसर पर अंचल के ख्याति प्राप्त मंडलियों ने अपनी अनुपम प्रस्तुति प्रदान किया। महिषासुर वध शुभ निशुंभ वध द्रोपिति चीरहरण कथा प्रसंग की अनुपम प्रस्तुति प्रदान किया।

अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा आज मैं देवी जस गायन एवं झांकी प्रतियोगिता के अवसर पर उपस्थित होने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। यह प्रतियोगिता हमारी संस्कृति और परंपरा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहाँ हम अपनी देवी की महिमा का गायन करते हैं और उनकी झांकी के माध्यम से उनकी कथाओं को प्रदर्शित करते हैं। जस झांकी के माध्यम से अलग-अलग मंडलियां देवी की महिमा का यशगान करते हैं, जिसे आप हम सभी को अपने जीवन में आत्मसात कर अज्ञानता, अंधकार नशा रूपी महिषासुर का वध करने की कोशिश होनी चाहिए। अपने जीवन सदाचार, सदुण को समाहित कर नेक कार्य करें, एक-दूसरे का सुख-दुख में साथ दें, जीवन को स्वालंबी बनावे।

श्री चंद्राकर ने कहा आज समाज में व्याप्त नशा रूपी महिषासुर की वध करने की आवश्यकता है आज चारों तरफ नशा रूपी जहर का बोल बाला है लोग नशा रूपी जहर में पड़ कर अपने जीवन को बर्बाद कर रहा है इस नशा रूपी जहर से उबरने की आवश्यकता है वहीं घर, व समाज में सुख समृद्धि और शांति है जहां नशा का वाश नहीं है आप सब से निवेदन करता हूं कि अपने अपने जीवन में नशा का त्याग करे और खुशहाली की जीवन जिए। मातारानी से मैं यही कामना करता हूं आप सभी के जीवन में सुख-समृद्धि का वास हो और प्राणियों में सद भावना हो विश्वास हो और जगत का कल्याण हो। आप सभी ने अपने ग्राम के कार्यक्रम में स्थान दिया, इसके लिए आपका हृदय से आभार।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष लिकेश्वर देशमुख, घसिया राम देशमुख सरपंच, ग्राम पंचायत तिरगा युवराज देशमुख अध्यक्ष, शाला समिति विनय सेवता सुरेश साहू पूर्व सरपंच, भोथली घनश्याम देशमुख अध्यक्ष शत्रुहन देशमुख टिकेश्वर देशमुख जागेश्वर निषाद, मनीराम निषाद सुखराम देशमुख, शिवलाल ठाकुर हेमलता सुरेश देशमुख संतोष चंद्राकर, लालजी निर्मलकर जितेन्द्र निषाद राजा देशमुख, नरेश देशमुख, विजय वैष्णव, अनूप साहू, राजू, राकेश जंघेल, चंदू देवांगन, प्रवीण यदु, पुकेश चंद्राकर, योगेन्द्र दिल्हीवार, राजू चंद्राकर, गोलू चंद्राकर, शिव देशमुख सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कार्यक्रम राज्य सरकार पुलिस बल व उनके परिवारों की सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत है-गजेन्द्र यादव

मुख्यमंत्री साय ने दुर्ग जिले में पुलिस के नवनिर्मित आवासों व भवनों का किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन विष्णुदेव साय द्वारा दुर्ग जिले में छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के माध्यम से निर्मित विभिन्न पुलिस भवनों एवं आवासों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग जिले में पुलिस बल के लिए तैयार किए गए कई महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक भवनों का लोकार्पण किया गया, जिनमें– नई पुलिस लाइन, दुर्ग में निर्मित 36 अराजपत्रित अधिकारियों एवं 48 प्रधान आरक्षक/आरक्षकों के आवास गृह, दुर्ग स्थित नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल, थाना भवन पद्मनाभपुर, थाना भवन पुलगांव तथा नवनिर्मित पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय, धमधा शामिल हैं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गजेन्द्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल एवं उनके परिवारों की सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने पुलिस परिवारों की मांग पर सर्वे-सुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण, हाईमास्ट लाइट स्थापना तथा पुलिस आवासों के मरम्मत कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला दण्डाधिकारी दुर्ग अभिजीत सिंह ने कहा कि जब आम नागरिक रात्रि में विश्राम करते हैं, तब पुलिस बल समाज की सुरक्षा के लिए सतत ड्यूटी पर तैनात रहता है। नवनिर्मित आवासों से पुलिस कर्मियों के जीवन स्तर एवं कार्यक्षमता में सकारात्मक सुधार होगा। उक्त कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एसडीओ नवीन वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, वार्ड पार्षद श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दुर्ग जैन समाज के योगेश बरडिया बने अध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जैन समाज के विभिन्न घटक दलों की सहभागिता के साथ भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति, दुर्ग की सामान्य सभा विगत दिनों ऋषभदेव परिसर में गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। सभा में सर्वसम्मति से योगेश बरडिया को भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति, दुर्ग का अध्यक्ष चुना गया। उनका कार्यकाल आगामी दो वर्षों का रहेगा।

अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के पश्चात योगेश बरडिया ने अपनी कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न घटक दलों से पदाधिकारियों को मनोनीत किया। नवगठित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में मनीष बड़जात्या, प्रभात सांखला, प्रवीण बोथरा एवं आकाश पारख को नियुक्त किया गया है।

वहीं महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विजय कोठारी को सौंपी गई है। सहमंत्री के पद पर अक्षय जैन, राहुल बरमेचा, संभव श्रीश्रीमाल एवं नीतेश पारख को शामिल किया गया है। कोषाध्यक्ष का दायित्व संदीप निमाणी को सौंपा गया है, जबकि प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी नवीन संचेती को दी गई है।

समिति की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक रात्रि 8:45 बजे ऋषभ नगर स्थित जैन मंदिर उपाश्रय में आयोजित की जाएगी। बैठक में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभारी नियुक्त करने, कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने, साधु-साध्वी सानिध्य, फंड व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

बैठक के पश्चात जैन समाज के विभिन्न घटक दलों के पदाधिकारियों एवं समाज की विभिन्न सभा-समितियों के साथ समन्वय स्थापित कर महोत्सव के कार्यक्रमों का अंतिम निर्धारण किया जाएगा। जैन समाज में इस नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

संपादकीय

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इतना सम्मान तो होना ही चाहिए

कई महीनों ने देश के राजनीतिक दल यह सवाल पूछ रहे थे कि भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा, वह कब चुना जाएगा, समय लग रहा था तो मजाक भी उड़ाया जा रहा था कि भाजपा अपना अध्यक्ष नहीं चुन पा रही हैं,तरह तरह की बातें की जा रही थी कि संघ व भाजपा के बीच अध्यक्ष को लेकर मतभेद हैं,इसलिए वह अपना अध्यक्ष नहीं चुन पा रही है। भाजपा के कई नेताओं के नाम की चर्चा थी लेकिन कोई नहीं जानता था कि भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा। बिहार चुनाव के बाद जब बिहार के नितिन नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय कायकारी अध्यक्ष बनाया गया तो भी कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि उनको राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। आज जब उनको राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है तो यह साफ हो गया है कि अब नितिन नवीन ही राष्टीय अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे।

आज नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा की प्रक्रिया के अनुसार चुन लिया गया है तो फिर एक बार यह बात साबित हुई है कि भाजपा में पीएम हो या राष्ट्रीय अध्यक्ष या किसी राज्य की सीएम एक कार्यकर्ता बन सकता है और पीएम,सीएम व राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद भी वह पार्टी का कार्यकर्ता बना रहता है। भाजपा में कार्यकर्ता का यही सबसे बड़ा सम्मान है कि उसका बड़ा महत्व है, उसका बड़ा सम्मान है। देश के पीएम भी उनका सम्मान करते हैं और सीएम भी उनका सम्मान करते हैं। पीएम मोदी ने आज नितिन नवीन को अध्यक्ष बनने के बाद बधाई दी और जब यह कहा कि नितिन नवीन अब मेरे भी बॉस है तो भाजपा के अध्यक्ष के लिए सबसे बड़ा सम्मान था। भाजपा के हर कार्यकर्ता का बड़ा सम्मान था। सब के मन में यही बात थी कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का इतना सम्मान तो होना चाहिए।

देश में बहुत सारे राजनीतिक दल हैं और हर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है। याद नहीं आता है कि किसी राजनीतिक दल के सबसे बड़े नेता,सीएम या पीएम ने कभी पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष का सम्मान करते हुए कहा हो कि पार्टी का अध्यक्ष आज से मेरा भी बॉस है।पीएम मोदी ने ऐसा कहा है और पीएम मोदी ही ऐसा कह सकते है क्योंकि वह खुद कार्यकर्ता से देश के पीएम बने हैं और साफ कहते हैं कि पीएम होने के बाद भी मैं पार्टी का एक कार्यकर्ता हू। सभी दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऐसा चाहते हैं लेकिन उनको ऐसा सम्मान नहीं मिलता है क्योंकि वह परिवार की पार्टी के अध्यक्ष होते हैं और पार्टी जिस परिवार की होती है, वह सबसे बड़ा होता है, पार्टी के अध्यक्ष से बड़ा होता है और पार्टी अध्यक्ष को यह एहसास दिलाता रहता है कि बड़ा अध्यक्ष नहीं है, बड़ा परिवार है।

कांग्रेस नेता कह सकते हैं कि भाजपा में चुनाव प्रक्रिया सिर्फ मजाक है। सब कुछ पहले से तय होता है यहां सीधे मनोनयन होता है।भाजपा लोकतंत्र की बात करती है लेकिन लोकतंत्र तो कांग्रेस में है।कांग्रेस में विधिवत चुनाव के जरिए मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष चुने गए।भाजपा में वोटिंग से अध्यक्ष नहीं बनते,वहां संगठनात्मक फैसले भी ऊपर से थोपे जाते हैं।कांग्रेस नेता ऐसा कहते हुए भूल जाते हैं कि उनका चुना हुआ अध्यक्ष कहता है वह कोई फैसला नहीं कर सकते, इसका फैसला तो आलाकमान करेगा।यानी कांग्रेस मे अध्यक्ष से भी बडा.कोई होता है,यह अध्यक्ष खुद कहते हैं। देश ने आज तक नहीं सुना कि राहुल गांधी ने कहा हो कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे मेरे बॉस हैं।

कांग्रेस नेता भले ही नितिन नवीन को कमजोर अध्यक्ष समझें लेकिन नितिन नवीन ने संगठन में काम किया है और जो काम सौंपा गया है, वह पूरा करने मे सफल रहे हैं। यानी नितिन नवीन पार्टी के आजमाए हुए नेता है और पार्टी को उन पर भरोसा है कि वह पार्टी को मजबूत करेंगे,एनडीए को मजबूत करेंगे, पार्टी को अगले चुनाव जिताएंगे, उनका काम विकसित भारत के लिए काम करना है, क्योंकि विकसित भारत भाजपा व मोदी सरकार का लक्ष्य है।कांग्रेस के चुने हुए अध्यक्ष खरगे को अध्यक्ष बने कई साल हो गए और उनको आज तक पता नही है कि उनको पार्टी को मजबूत करने के लिए क्या करना है, गठबंधन को मजबूत करने के लिए क्या करना है। मालूम होता तो कहते और करते दिखते।

भारत को जिस चीज की सख्त जरूरत है, वह है टोर्ट्स पर एक कोडिफाइड कानून

भारत को जिस चीज की सख्त जरूरत क्लाइमेट क्राइसिस और लड़ाई-झगड़ों से भरी दुनिया में, इंदौर में गंदे पानी से बड़े पैमाने पर जहर फैलना, सिविक लापरवाही की वजह से एक टेकी की मौत, और पूरे भारत में गंभीर एयर पॉल्यूशन जैसी रोजमर्रा की डरावनी घटनाएँ छोटी-मोटी घटनाएँ लगती हैं। इन और ऐसी ही दूसरी घटनाओं के पीछे सरकारी एजेंसियों, कॉर्पोरेट्स और नागरिकों द्वारा इंसानी ज़िंदगी की अनदेखी है। जवाबदेही तय करने के लिए लेजिस्लेचर और ज्यूडिशियरी को टॉर्ट के एक कोडिफाइड सिस्टम पर विचार करना चाहिए, जिसमें लापरवाही की वजह से मौत या चोट लगने पर फाइनेंशियल मुआवजा दिया जा सके।

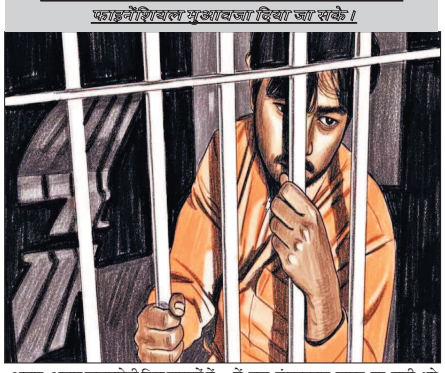

अलग-अलग जवाबदेही जिन मामलों में प्राइवेट कंपनियों की लापरवाही से जान जाती है या गंभीर नुकसान होता है, उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया जाता है और उन्हें जेल या जुर्माना हो सकता है। लेकिन जिन सरकारी संस्थाओं और अधिकारियों की देखरेख होती है और जो इन प्राइवेट कंपनियों द्वारा नियमों का पालन सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं, उन्हें सजा नहीं दी जाती है। यहाँ तक कि जब नागरिकों की ज़िंदगी और सेहत पर सीधा असर पड़ता है, तब भी अधिकारियों का, सबसे बुरी हालत में, ट्रांसफर या सस्पेंड कर दिया जाएगा।

नोएडा का हादसा 27 साल के युवराज मेहता का मामला ही लीजिए, जो 17 जनवरी को ठउफके नोएडा इलाके में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर पानी भरे खुदाई के गड्ढे में डूब गए। घने कोहरे में गाड़ी चलाते हुए और एक तेज मोड़ लेने की वजह से, वह सड़क से उतरकर 20 फुट गहरे गड्ढे में चले गए। वहां कोई चेतावनी के साइन, रिफ्लेक्टर या स्ट्रीटलाइट नहीं थे। तैरना न जानने की वजह से, वह 90 मिनट तक अपनी धीरे-धीरे डूबती कार पर खड़े रहे और डूब गए, जबकि मदद करने वाले लोग बेबस होकर देखते रहे। इस साइट को वहां के लोगों ने दो साल से खतरनाक बताया था, और ठीक 10 दिन पहले ऐसा ही एक हादसा हुआ था, लेकिन नोएडा अथॉरिटी अपनी 'देखभाल की ड्यूटी' में फेल रही।

डेवलपर शायद लापरवाही का दोषी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। नोएडा अथॉरिटी की गलती का क्या, जिसे खतरे के बारे में अच्छी तरह पता था, यह देखते हुए कि मीडिया रिपोर्टों से पता चला कि 2015 से 2023 तक पानी भरने की समस्या पर बार-बार चर्चा हुई थी? एक जूनियर इंजीनियर को नौकरी से निकाल दिया गया है, कई कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, और नोएडा अथॉरिटी के बॉस को 'जरूरी इंतजार' पर रखा गया है, जबकि एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) यह पता लगा रही है कि हादसे की वजह क्या थी। सवाल यह है कि युवराज की मौत की भरपाई कौन करेगा?

जब गुस्सा कम होगा जैसे-जैसे लोगों का गुस्सा कम होगा, आरोपी को जमानत मिलेगी और कानूनी प्रक्रिया लंबी चलेगी, जवाबदेही का मुद्दा शायद दबा दिया जाएगा। जिन बिल्डरों पर भारतीय न्याय संहिता (इठर) के क्रिमिनल नियमों के तहत मामला दर्ज किया गया है, उनके लिए थोड़ी जेल और जुर्माना सबसे बुरी हालत लगती है। इस बीच, संबंधित अधिकारियों को फिर से बसाया जाएगा। मेहता की मौत की पूरी कीमत कोई नहीं चुकाएगा, सिवाय दुखी परिवार के, जिन्हें "गलत मौत" के कारण मामूली सिविल डैमेज मिलेगा। सिविल बॉडीज बेदाग सिविक अधिकारियों की जनता के प्रति ज़िम्मेदारी पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है। ज़्यादा से ज़्यादा, कोर्ट गलती करने वाली एजेंसी पर छोटा सा जुर्माना लगाएगी और छोटे अधिकारियों को सजा देगी। 2024 में, जब दिल्ली के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट के बेसमेंट में तीन स्टूडेंट डूब गए, तो जगह के मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन यह बात कि सिविक अधिकारियों ने नालों को ओवरफ्लो होने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया, जिससे बाढ़ आ गई, इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ऐसा लगता है जैसे सरकारी एजेंसियां कुछ गलत नहीं कर सकतीं और अगर वे करती भी हैं, तो उन्हें डांटना ही काफी है। इंदौर में गंदगी का मामला इंदौर पानी में गंदगी का मामला, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज़्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं, इसमें कोई प्राइवेट कंपनी शामिल नहीं थी। नगर निगम का व्यवहार बहुत बुरा था, क्योंकि लोगों ने बार-बार गंदे पानी की शिकायत की थी। जब लोग मरने लगे, तभी नगर निगम ने पानी की सप्लाई सिस्टम बंद करके उसे साफ किया। राज्य के मुख्य सचिव ने यह माना कि पीने के पानी में मल के कारण बड़े पैमाने पर गंदगी है, जब पीड़ितों की ओर से दायर याचिका पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सुनवाई की। हमेशा, इंचार्ज कअर ऑफिसर का ट्रांसफर कर दिया जाता है, जबकि छोटे अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाता है और उनसे भी नीचे के अधिकारियों को नौकरी से निकाल दिया जाता है। इंदौर में ठीक यही हुआ। इस हादसे के लिए ज़िम्मेदार सिविक अधिकारियों के खिलाफ सेक्शन 304अ के तहत क्रिमिनल नेग्लिजेंस का केस दर्ज होगा या नहीं, यह कोर्ट तय करेगा। अपनी तरफ से, राज्य सरकार ने सिर्फ. म्युनिसिपल कमिश्नर को हटा दिया, उनके दो सबऑर्डिनेट को सस्पेंड कर दिया और एक सब-इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया। पिटीशनर्स के गुस्से में वकील ने हाई कोर्ट को बताया कि म्युनिसिपल कमिश्नर को असल में मध्य प्रदेश स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर ट्रांसफर करके इनाम दिया गया था। साफ है, ज़िम्मेदारी इंचार्ज आदमी पर ही नहीं आती। टोकन कम्पेनसेशन मध्य प्रदेश सरकार मानती है कि उसने दुखी परिवारों को 2 लाख रुपये देने का ऐलान करके पीड़ितों के प्रति अपनी ड्यूटी पूरी कर दी है। कांग्रेस ने 1 लाख रुपये और जोड़े हैं, लेकिन मांग की है कि सरकार हर एक को कम से कम 1 करोड़ रुपये दे। पीड़ितों को पेमेंट करते समय, सरकारें जानबूझकर बेंचमार्क बहुत कम रखती हैं ताकि लिमिट हो सके।

मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ने ट्रंप की टैरिफ वाली राजनीति को दिया तगड़ा जवाब

भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे इंतजार के बाद मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार संपन्न हो गया। इसे दोनों पक्षों ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ इस समझौते के राजनीतिक ऐलान पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। यह समझौता दो अरब लोगों का मुक्त व्यापार क्षेत्र तैयार करता है जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरुआत है और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों और करोड़ों यूरोपीय नागरिकों के लिए नए अवसर खोलेगा।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मसिर्डीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरुआत में प्रभावी होने की संभावना है।

देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है। यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है।

यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी लाल रेखा स्पष्ट रूप से सामने रखी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में आत्मविश्वास और व्यवहारिकता का नया मेल दिखाया है। भारत ने अमेरिका, यूरोप, रूस और एशिया सभी के साथ अपने हितों के आधार पर संबंध रखे। भारत न तो किसी दबाव में झुका और न ही टकराव की भाषा अपनाई। यही कारण है कि यूरोपीय संघ जैसा जटिल समूह भारत के साथ इतने व्यापक समझौते पर सहमत हुआ।

सामरिक दृष्टि से यह समझौता वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को विविध बनाने में मदद करेगा। चीन पर निर्भरता कम करने और सुरक्षित सप्लाई चेन बनाने की यूरोप की जरूरत भारत को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। यह समझौता भारत के लिए तकनीक निवेश और रोजगार का नया रास्ता भी खोलता है। साथ ही रक्षा और सुरक्षा सहयोग से हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को भी बल मिलेगा। यह डील यह भी दिखाती है कि व्यापार समझौते केवल आर्थिक लाभ के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक संतुलन के लिए भी होते हैं। भारत और यूरोप दोनों ही यह संकेत दे रहे हैं कि वह बहुध्रुवीय दुनिया में स्वतंत्र फैसले लेने को तैयार हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति के उलट यह समझौता संवाद, विश्वास और सम्मान पर टिका है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि भारत और यूरोपीय संघ का यह मुक्त व्यापार समझौता नई वैश्विक व्यवस्था की झलक है। जहां दबाव की जगह साझेदारी है और धमकी की जगह भरोसा। मोदी सरकार की विदेश नीति ने भारत को इस मुकाम पर पहुंचाया है जहां वह न केवल अपने हितों की रक्षा करता है बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी निर्णायक भूमिका निभाता है। यही इस ऐतिहासिक समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

गिग-वर्कर्स: डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ऑनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना ह्यदस मिनट में डिलीवरीह्ल और ह्यएक क्लिक पर सुविधाह्ल की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन. इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में ह्यविकल्पह्ल के रूप में नहीं, बल्कि ह्यमजबूरीह्ल में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शमर्नाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कमर्चारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें ह्यस्वतंत्र कामगारह्ल कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है।

हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे। भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सावभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल काग़जी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल ह्यडिलीवरी बॉयह्ल नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति-निर्माता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है। तेजी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफे की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा है; शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाए बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग-वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सेवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोजगार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

फोकस

रायपुर नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्र में एनिमल बर्थ कण्ट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम का निरन्तर प्रभावी होगा क्रियान्वयन

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा एनिमल बर्थ कण्ट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम को निरंतर एवं प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 15-20 आवारा श्वानों को पकडकर उनका टीकाकरण, नसबंदी (डिवार्मिंग / स्टेरिलाईजेशन) किया जा रहा है, जिससे आवारा श्वानों की संख्या नियंत्रण में लायी जा सके तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। चंद्रशेखर आजाद वार्ड के सम्बंधित क्षेत्र से शिकायत प्राप्त होते ही नगर पालिक निगम, रायपुर की डॉग कैचिंग टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवारा श्वानों को पकड़ा गया, जिनका नियमानुसार टीकाकरण /बधियाकरण / डिवार्मिंग की कार्यवाही की जायेगी।

निगम को निदान 1100, आमजन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पूर्ण परिपालन में की जा रही है। इसी क्रम में नगर पालिक निगम, रायपुर के समस्त जोनों के अंतर्गत सभी वार्डों में श्वानों के लिए फीडिंग स्थल चिह्नांकित कर लिए गए हैं तथा संबंधित स्थलों पर सूचना बोर्ड भी चस्पा कर दिए गए हैं, ताकि निर्धारित स्थानों पर ही भोजन व्यवस्था सुनिश्चित हो एवं अनियंत्रित भोजन वितरण से उत्पन्न समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा यह सतत प्रयास किया जा रहा है कि पशु कल्याण के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा, स्वच्छता एवं जनसुविधा बनी रहे। भविष्य में भी उक्त कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ करते हुए सतत रूप से जारी रखा जाएगा।

शिक्षक पात्रता परीक्षा एक फरवरी को, जैकेट / ब्लेजर प्रतिबंध है

दुर्ग। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 01 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन दो पाली में किया जा रहा है। प्रथम पाली (प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) में लगभग 12,096 तथा द्वितीय पाली (माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) में लगभग 26,171 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। व्यापम के जिला नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री पिस्दा से मिली जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जारी किए गये निर्देशों का पालन हेतु परीक्षार्थी परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र का अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लेवें ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फिस्किंग (फ्रीस्किंग) एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जावेगा। चूंकि प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 09.30 बजे से प्रारंभ हो रहा है, मुख्य द्वार प्रातः 09.00 बजे बंद कर दिया जाएगा। द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 03.00 बजे से प्रारंभ हो रहा है, इसलिए मुख्य द्वार दोपहर 02.30 बजे बंद कर दिया जाएगा।

हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैंगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपड़े पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। फुटवियर के रूप में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जाएगी। परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र में केवल काले या नीले बॉल पांइट पेन लेकर ही आयें।

होमस्टेज ऑफ इंडिया की पहल से जशपुर जिले में सामुदायिक पर्यटन को मिली एक नई पहचान

तमिलनाडु से आए पहले अतिथि ने सामुदायिक होमस्टे में किया सुकून भरे ग्रामीण जीवन का अनुभव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

होमस्टेज ऑफ इंडिया द्वारा छत्तीसगढ़ में सामुदायिक पर्यटन को सशक्त करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत जशपुर जिले में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। तमिलनाडु से आए पहले अतिथि का जशपुर के सामुदायिक होमस्टे में स्वागत किया गया। यह पहल जशपुर को राज्य के एक मॉडल कम्युनिटी टूरिज्म गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

तमिलनाडु निवासी महेश, जो सड़क मार्ग से भारत भ्रमण पर निकले हैं, अपनी यात्रा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में होमस्टे में ही ठहर रहे हैं। उन्होंने बताया कि घर जैसा सादा एवं पौष्टिक भोजन तथा स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली को नजदीक से समझने की इच्छा ने उन्हें होमस्टे को प्राथमिक विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया।

जशपुर प्रवास के दौरान श्री महेश ने विपिन एवं उनके परिवार द्वारा संचालित होमस्टे में निवास किया। यह होमस्टे उस गांव का हिस्सा है, जिसे होमस्टेज ऑफ इंडिया ने जिला प्रशासन के सहयोग से सामुदायिक पर्यटन के मॉडल के रूप में विकसित किया है। अतिथि ने परिवार की आत्मीय मेहमाननवाजी, पारंपरिक तरीके से तैयार किए गए पौष्टिक भोजन तथा गांव और आसपास के शांत एवं प्राकृतिक वातावरण की विशेष सराहना की।

श्री महेश ने कहा कि इंटरनेट और मोबाइल फोन से दूर गांव की शांति में बिताया गया समय उनके लिए मानसिक सुकून और आत्मिक ताजगी का अनुभव लेकर आया। इस प्रवास से होस्ट परिवार को अतिरिक्त आय प्राप्त हुई, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिली। साथ ही, देश के दूसरे राज्य से आए अतिथि की मेजबानी से परिवार को सांस्कृतिक आदान-प्रदान, नए अनुभव और पर्यटन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान का अवसर भी मिला। इससे परिवार के आतिथ्य कौशल, आत्मविश्वास और उद्यमशील क्षमता में वृद्धि हुई है।

होमस्टेज ऑफ इंडिया इस पहल के अंतर्गत होमस्टे विकास के साथ-साथ स्थानीय परिवारों के क्षमता निर्माण, आतिथ्य मानकों के सुदृढ़ीकरण, अतिथि अनुभव को बेहतर बनाने और जिम्मेदार पर्यटन प्रथाओं को अपनाने पर निरंतर सहयोग कर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पर्यटन का प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय समुदायों तक पहुंचे और साथ ही स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं प्राकृतिक विरासत का संरक्षण भी बना रहे।

यह अनुभव दर्शाता है कि आज के जागरूक पर्यटक स्लो ट्रैवल, स्थानीय भोजन, मानवीय जुड़ाव और प्रकृति के समीप रहने को प्राथमिकता दे रहे हैं। जशपुर जैसे क्षेत्र ऐसे यात्रियों के लिए राज्य के उभरते हुए इको-टूरिज्म और कम्युनिटी टूरिज्म गंतव्य के रूप में अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। यह पहल न केवल छत्तीसगढ़ के ग्रामीण पर्यटन को नई दिशा दे रही है, बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका, सम्मानजनक आय और व्यापक पहचान का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

राज्य के प्रमुख एमएसएमई संघों की प्रथम इंडस्ट्रियल कमेटी की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख एमएसएमई संघों की प्रथम इंडस्ट्रियल कमेटी बैठक उद्योग भवन, रायपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के चेयरमेन श्री राजीव अग्रवाल ने की। उन्होंने राज्य में औद्योगिक विविधीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए छत्तीसगढ़ में सतत औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में राज्य के 8 एमएसएमई संघों के कुल 11 प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक का उद्देश्य राज्य में हाल के औद्योगिक विकासों की समीक्षा करना तथा औद्योगिक वृद्धि की गति को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु एमएसएमई संघों से सुझाव प्राप्त करना था। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ओपी बंजारे ने इंडस्ट्रियल कमेटी के गठन के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह मंच एमएसएमई संघों के साथ संवाद स्थापित करने एवं उनकी समस्याओं के समाधान हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है।

उद्योग विभाग के निदेशक प्रभात मलिक ने बैठक में विभाग द्वारा हाल ही में किए गए प्रमुख सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने भूमि डायवर्जन प्रक्रिया के सरलीकरण तथा सरकारी ई-मार्केट्प्लेस में एमएसएमई को वरीयता प्रदान किए जाने जैसे कदमों का उल्लेख किया, जिससे एमएसएमई की क्रय-विक्रय क्षमता में वृद्धि होगी। सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक विश्वेश कुमार ने बताया कि औद्योगिक अवसंरचना का उन्नयन निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

बैठक में एमएसएमई संघों के प्रतिनिधियों ने इंडस्ट्रियल कमेटी की इस पहल की सराहना की तथा राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में सीएसआईडीसी के कार्यकारी निदेशक संतोष भगत, तथा मुख्य महाप्रबंधक ओपी बंजारे सहित एमएसएमई संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलम व रंगों से उभरी संस्कारों की तस्वीर, सिंधी पंचायत युवा विंग की निबंध व चित्रकला स्पर्धा में 325 बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता में 325 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के बच्चों एवं युवाओं को अपने इतिहास, धर्म एवं संस्कृति से जोड़ना रहा, जिसमें आयोजक संस्था पूरी तरह सफल रही।

छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष विकास रूपरेला के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए महासचिव अनिल लाहोरी एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मध्यानी ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों ने भगवान झूलेलाल, अमर शहीद हेमू कालाणी एवं संत कवरराम साहेब जैसे प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रस्तुत की। इस अवसर पर सिंधी समाज के महान राजा दाहिर सेन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई, जिसे यश शर्मा द्वारा निर्मित किया गया है। मंच के माध्यम से समाज के इतिहास की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई।

प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमें निबंध प्रतियोगिता के आयु वर्ग 6-12 वर्ष में प्रथम आरोही पंजवानी (12 वर्ष), द्वितीय रिद्धि शादीजा (11 वर्ष), तृतीय कृतेश छाबड़ा (10 वर्ष), आयु वर्ग 13-18 वर्ष में प्रथम प्रति वीरवानी (15 वर्ष), द्वितीय वंश मशारामानी (14 वर्ष), तृतीय लवली हेमनानी (14 वर्ष) सांत्वना डॉली चोइथवानी (14 वर्ष), चित्रकला प्रतियोगिता के आयु वर्ग 6-12 वर्ष में प्रथम जिनिशा रेलवानी (12 वर्ष), द्वितीय सिया माखीजा (9 वर्ष), तृतीय चैतन्य मंगवानी (8 वर्ष), आयु वर्ग 13-18 वर्ष में प्रथम अंशिका दयालानी (13 वर्ष), द्वितीय भव्या पंजवानी (16 वर्ष), तृतीय हिमाक्षी लखवानी (13 वर्ष) सांत्वना नायरा जुमनानी (10 वर्ष), कुनिशा वीरवानी (14 वर्ष), तान्या पंजवानी (14 वर्ष), पीयूष चांदवानी (14 वर्ष) रही हैं

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी, प्रदेश महासचिव बलराम आहूजा, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत संरक्षक एवं मेडिसेल्स फार्मा के चेयरमैन भरत बजाज सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मध्यानी ने बताया कि युवा विंग द्वारा समाज की संस्कृति और संस्कारों को सुदृढ़ करने हेतु इस प्रकार के आयोजन प्रदेशभर में समय-समय पर निरंतर किए जाएंगे।

कच्चे घर से सम्मान की छत तक पहुंची सुशील साहू की जिंदगी, शासन की योजना ने लाया बड़ा बदलाव

प्रधानमंत्री आवास सहित बिजली, गैस, इलाज और राशन की मिली सुविधा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कबीरधाम जिले के जनपद पंचायत कवर्धा अंतर्गत ग्राम पंचायत गूढ़ा की 55 वर्षीय श्रीमती सुशील साहू के जीवन में शासन की योजनाओं ने बड़ा बदलाव लाया है। कभी कच्चे घर और कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताने वाली श्रीमती सुशील साहू आज पक्के मकान, बिजली, गैस, शौचालय, इलाज और राशन जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं। उनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि सुरक्षित और स्थिर भविष्य की नींव साबित हुई है। आर्थिक तंगी के कारण सुशील साहू का पक्का घर बनाने का सपना सालों तक अधूरा रहा। वर्ष 2024-25 में ग्राम सभा में उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए चुना गया। यह खबर मिलते ही वे बहुत खुश हुईं।

जिला प्रशासन ने जल्द ही आवास स्वीकृत किया। मकान बनने की प्रगति के अनुसार राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई। इसके साथ ही उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 90 दिन का रोजगार भी मिला, जिससे लगभग 23 हजार रुपये मजदूरी के रूप में प्राप्त हुए। इससे घर बनाने में काफी मदद मिली। पक्का मकान बनने के बाद स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शौचालय भी बनाया गया। अब उन्हें खुले में शौच के लिए नहीं जाना पड़ता।

विभिन्न सरकारी योजनाओं से सुशील साहू के जीवन में लगातार सुविधाएं जुड़ती चली गईं। अलग-अलग सरकारी योजनाओं से उनके जीवन में और भी सुधार हुआ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना के तहत घर में बिजली कनेक्शन मिला। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गैस सिलेंडर और चूल्हा मिला, जिससे धुएं से राहत मिली। आयुष्मान कार्ड बनने से अब इलाज की चिंता खत्म हो गई है। राशन कार्ड मिलने से सस्ते दामों पर चावल और अन्य जरूरी सामान मिलने लगा है।

सरकारी योजनाओं से मिले लाभों को लेकर सुशील साहू भावुक होकर कहती हैं कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। सरकार की योजनाओं से आज मेरे पास पक्का घर है, बिजली है, गैस है, शौचालय है और इलाज व राशन की सुविधा भी है। अब मैं समाज में सम्मान के साथ जीवन जी रही हूं। सुशील साहू की यह कहानी सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और योजनाओं के आपसी समन्वय का जीवंत उदाहरण है, जिससे जरूरतमंद परिवारों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

सुविधा और भरोसा सुगमता कि साथ कोड़ा उपार्जन केंद्र पर बेचीं 100 क्विंटल धान

महिला किसान मानमति का सरकार के प्रति बढ़ा विश्वास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान संचालित धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए सुविधा, भरोसे और पारदर्शिता का मजबूत आधार बनकर सामने आई है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अंतर्गत ग्राम कोचका की महिला किसान मानमति की कहानी इसी व्यवस्था की जमीनी सफलता को दर्शाती है, जिन्होंने कोड़ा उपार्जन केंद्र में 100.00 क्विंटल धान का सफल विक्रय कर यह साबित किया कि ऑफलाइन टोकन के माध्यम से भी खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह सुव्यवस्थित और प्रभावी है।

धान विक्रय हेतु किसान मानमति को ऑफलाइन खरीदी टोकन जारी किया गया था। निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुँचने के बाद उन्हें किसी प्रकार की भीड़ या अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ा। धान की गुणवत्ता जांच, डिजिटल तौल, रसीद जारी करने और भुगतान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न हुई, जिससे किसान को हर चरण में संतोष और विश्वास महसूस हुआ। मानमति ने बताया कि पूर्व वर्षों में धान बिक्री के दौरान असमंजस और विलंब की स्थिति बनी रहती थी, लेकिन इस वर्ष की सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था ने उन्हें बड़ी राहत दी है। 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य से उन्हें उनकी मेहनत का सम्मानजनक मूल्य प्राप्त हुआ, जो कृषि कार्यों और पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।

कोड़ा उपार्जन केंद्र पर मानमति का आत्मविश्वास अन्य महिला किसानों के लिए प्रेरणा बना। अब ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी निर्भीक होकर उपार्जन केंद्रों तक पहुँच रही हैं और पारदर्शी व्यवस्था का लाभ उठा रही हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और अधिक सशक्त हो रही है। उपार्जन केंद्र पर पर्याप्त बारदाना, सटीक डिजिटल तौल मशीनें, स्वच्छ पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था और सहयोगी कर्मचारियों की उपस्थिति ने यह सुनिश्चित किया कि किसानों को धान खरीदी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुविधा सर्वोपरि रहे। इसी कारण जिले में सफलतापूर्वक संचालित हो रही है।

स्वच्छता शिकायत पर निगम की त्वरित कार्रवाई, लालपुर फल बाजार के सामने नाला कब्जामुक्त

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम को प्राप्त स्वच्छता संबंधी जनशिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही तथा जोन क्रमांक 10 के जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे के निर्देश पर कार्रवाई की गई। इसके तहत जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लालपुर फल बाजार क्षेत्र के सामने स्थित मार्ग एवं नाले का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा और स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बैरिहा द्वारा किए गए निरीक्षण में पाया गया कि नाले पर अवैध रूप से बड़े पाटे बनाए गए थे और फल ठेले लगाकर नाले की सफाई पूरी तरह अवरुद्ध की जा रही थी। प्राप्त जनशिकायत को सही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने जेसीबी मशीन की सहायता से विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान नाले पर कब्जा कर बनाए गए लगभग 12 बड़े आकार के अवैध पाटों को तोड़ा गया। इसके साथ ही नाले से अवैध फल ठेलों को हटाकर पूरे क्षेत्र को कब्जामुक्त किया गया और नाले की विधिवत सफाई करवाई गई। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस त्वरित कार्रवाई से जलनिकासी की समस्या का समाधान हुआ है और क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में स्वच्छता में बाधा उत्पन्न करने वाले अवैध कब्जों के विरुद्ध आगे भी सख्त और सतत कार्रवाई जारी रहेगी।

रबी बीज उत्पादन को बढ़ावा : किसानों के पंजीयन की तिथि 31 जनवरी तक बढ़ी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

देश में कृषि को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए रबी वर्ष 2025-26 के बीज उत्पादन कार्यक्रम अंतर्गत किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए पंजीयन की अंतिम तिथि अब 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

पूर्व में इस कार्यक्रम के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2026 तय की गई थी। किंतु वर्तमान में किसान खरीफ फसलों के उपार्जन एवं धान खरीदी कार्यों में व्यस्त होने के कारण बड़ी संख्या में पंजीयन नहीं करा पाए थे। इसे देखते हुए किसानों द्वारा पंजीयन अवधि बढ़ाने का आग्रह किया गया, जिस पर सकारात्मक निर्णय लिया गया। रबी 2025-26 के बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत लक्ष्य के अनुसार प्रजनक, आधार एवं प्रमाणित-1 श्रेणी के उन्नत बीजों का उत्पादन किया जाना है। इस योजना के माध्यम से किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के साथ-साथ बीज उत्पादन के क्षेत्र में उनकी सीधी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड तथा जैविक प्रमाणीकरण संस्था, रायपुर के माध्यम से संचालित यह कार्यक्रम किसानों को स्वयं उत्पादित कच्चे बीज को उन्नत बीज के रूप में विकसित करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे उनकी आय में वृद्धि के साथ ही कृषि व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पंजीयन तिथि में वृद्धि से अधिक संख्या में किसान इस कार्यक्रम से जुड़ सकेंगे, जिससे रबी फसलों की गुणवत्ता, उत्पादकता और बीजों की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होने की संभावना है।

आर्ट की दुनिया में रंग डाल कर बनाओ सपने अपने

ये दुनिया है आर्ट यानी कला की जो तुम्हें कॉन्फिडेंस के साथ ही पॉजिटिविटी भी दे सकती है। फिजिक्स और मैथ्स की दिमाग उलझाने वाली पहेलियां, सोशल साइंस के घुमावदार गलियारे, लैंग्वेज की चक्करदार ग्रामर और बॉटनी-जूलॉजी की रहस्यमयी दुनिया, अगर दुनिया सिर्फ और सिर्फ स्कूल की टेक्स्टबुक्स में सिमट कर रह जाए तो बोरिंग हो जाएगी। तो इस दुनिया के साथ हिस्सा बनो उस दुनिया का जो रंग-बिरंगी है, अनूठी है और सबसे बड़ी बात, जहां तुम अपने सपनों को अपने हिसाब से रंग दे सकते हो। ये दुनिया है आर्ट यानी कला की जो तुम्हें कॉन्फिडेंस के साथ ही पॉजिटिविटी भी दे सकती है और जिंदगी में हमेशा तुम्हारे काम आ सकती है, किसी सच्चे दोस्त की तरह।

हर आर्ट के लिए एक चांस रंग हों या फिर डांस

आर्ट के किसी भी ऐसे फॉर्म को चुनो जो तुम्हें अपने लिए सबसे अच्छा लगता हो। फिर चाहे ये पेंटिंग हो, सिंगिंग, डांसिंग, पेपर वर्क, ग्लास वर्क या और कोई भी प्रकार। ये बिलकुल भी जरूरी नहीं कि इसमें कोई महंगा कोर्स किया जाए, किसी बड़ी क्लास में एडमिशन लिया जाए या फिर बहुत मंहगा रॉ मटेरियल यूज किया जाए। जरूरी सिर्फ ये है कि जो आर्ट फॉर्म तुम अपना रहे हो उससे तुम्हें खुशी मिलती हो। फिर चाहे तुम घर में पड़ी पुरानी चीजों से कोई आर्ट पीस ही क्यों न बनाओ।

यहां कोई नकल नहीं न ही कोई टारगेट

जिंदगी में अगर अब तक तुम क्लास में अच्छे मार्क्स लाने, किसी कॉम्पीटिशन में नंबर वन आने या सिर्फ अच्छा कॉलेज और अच्छा पैकेज पाने के लिए मेहनत कर रहे थे तो अब इस काम को बिना किसी प्रेशर के चुनो। न तो आर्ट फॉर्म चुनने में किसी की नकल करो, न ही किसी और के जैसा बनने की कोशिश। याद रखो कि दुनिया में नकल हमेशा सेकेंड नंबर पर होती है जबकि यूनिक आइडिया हमेशा नंबर वन पर।

100 पर्सेंट = 100 पर्सेंट

एक चीज है जो यहां भी तुम्हें पढ़ाई की तरह ही अप्लाय करनी होगी और वो है अपना हंड्रेड पर्सेंट देना। इससे न केवल तुम्हें किसी भी चीज को सीखने में आसानी होगी बल्कि कभी जरूरत पड़ने पर तुम अपनी सीखी चीज को प्रोफेशन के तौर पर भी अपना सकते हो। यही नहीं हंड्रेड पर्सेंट देने से तुम्हें अपनी सीखी चीज की वैल्यू भी हमेशा रहेगी।

सबको करो इन्वॉल्व क्योंकि यूनिक होता है हर ख्वाब

सुबह जल्दी उठकर वॉक पर जाते दादू हों, पूजा घर में भगवान के लिए थाली सजाती दादी, घर के साथ ऑफिस मैनेज करती मां हों या दिनभर फील्ड में रहकर ऑफिस के काम निपटाते पापा, स्कूल में तुम्हारे साथ लांच शेयर करने वाला फ्रेंड हो या फिर घर में तुम्हारा फेवर लेने वाली तुम्हारी दीदी, ऐसे कई लोग तुम्हारे आस-पास हो सकते हैं जिनके पास गजब के आइडियाज हों। अपने आर्ट फॉर्म को बनाते समय इन लोगों को भी इन्वॉल्व करो। जो आइडिया जम जाए उसे यूज करो। इस तरह तुम एक फैमिली आर्ट पीस बना सकते हो।

रचो वही जो दिल को भाए

अगर तुम गर्मी की छुट्टियों में अपने मन से किसी हॉबी क्लास को ज्वॉइन करना चाहते हो तो बहुत अच्छा है लेकिन अगर ऐसा नहीं हो सकता है तो घर पर ही कुछ नया सीखो। चाहे वो मां की कोई पसंद की रेसिपी हो या पापा की टाई को बांधने का आर्ट। ये चीजें तुम्हें आगे जाकर भी काम आएंगी। इसके अलावा क्लास ज्वॉइन करो या नहीं, जो भी बनाओ, दिल से बनाओ। फिर चाहे वो कोई रेसिपी हो या पेंटिंग।

हर दिन नया है, नए आइडिया से भरा

कोई भी नई चीज सीखने के लिए हमेशा अपनी आंखें, कान और दिमाग खुला रखो। बाजार में घूमते हुए, इंटरनेट को सर्फ करते हुए, अपने दोस्तों के साथ बगीचे में खेलते हुए, बस, ऑटो या अन्य किसी व्हीकल में सफर करते हुए या कहीं बाहर घूमने जाने पर नए पेड़ -पौधों, लोगों के चेहरों, उनके ड्रेसेस, आस-पास के इन्वायरमेंट आदि को ध्यान से देखो। ये सबकुछ तुम्हें कुछ नया और क्रिएटिव करने की प्रेरणा देगा।

एक सरप्राइज जो खुशियों का ब्लास्ट कर दे

तुम्हारे हाथ से बना कोई ग्रीटिंग या आर्ट पीस तुम्हें जितनी खुशी देगा उससे ज्यादा ये उन्हें खुश कर देगा जिन्हें तुम ये गिफ्ट के तौर पर दोगे। जरूरी नहीं कि हर बार तुम फैमिली के मेंबर्स को मंहगा उपहार ही दो, तुम्हारे हाथ से बनी कोई छोटी सी चीज भी सबको खुश कर सकती है।

जिंदगी भर रहे साथ आर्ट फीलिंग

आर्ट से जुड़े रहने का फायदा तुम्हें जिंदगी में हमेशा मिलेगा। सबसे बड़ी बात तो यह कि कला से जुड़ी कोई भी एक्टिविटी दिमाग को पॉजिटिव तरीके से व्यस्त रखती है। साथ ही इससे किसी भी प्रोफेशन में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है क्योंकि यह फोकस्ड रहने में मदद मिलती है। यही कारण है कि आजकल किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के दौरान भी किसी व्यक्ति में आर्ट रिलेटेड हुनर को लेकर सवाल पूछे जाते हैं और इसका फायदा भी आगे तक मिलता है। यानी आर्ट पूरी जिंदगी साथ रहता है सी व्यक्ति में आर्ट रिलेटेड हुनर को लेकर सवाल पूछे जाते हैं और इसका फायदा भी आगे तक मिलता है। यानी आर्ट पूरी जिंदगी साथ रहता है।

सपने के अंदर सपना

अयान सकते में था। भला यह कैसे हो सकता है! वह अपने एक स्कूल टीचर रेड्डी सर के घर में उनके ठीक सामने बैठा उनसे बातें कर रहा था। वही रेड्डी सर, जिन्होंने एक दिन पहले उसे पूरी क्लास के सामने डांट लगाई थी। वही रेड्डी सर, जिन्हें फिजिक्स का क्वेश्चन पेपर सेट करना था। वही रेड्डी सर, जिनसे उसे थोड़ा-थोड़ा डर लगता था। अयान रेड्डी सर से बातें भी कर रहा था और खुद के उनके घर पर होने को लेकर हैरान भी था। अचानक उसे पता नहीं क्या सूझा, उसने सर के हाथ की बीच की उंगली का नाखून ऐसे दबाया, जैसे कि वह कोई बटन हो। उसके ऐसा करते ही सब-कुछ घूमने लगा, ठीक वैसे, जैसे वॉशिंग मशीन में कपड़े घूमते हैं। कुछ मिनट बाद जब यह हलचल थमी तो अयान और रेड्डी सर, दोनों गहरी नींद में सो चुके थे।

कुछ पलों के लिए अंधेरा छाया और फिर दोनों की नींद टूटी। अयान की हैरानी का ठिकाना नहीं था, क्योंकि रेड्डी सर के माथे पर एक-एक करके हरे रंग की चमकदार लाइट में फिजिक्स के सवाल लिख कर आ रहे थे। अयान को समझते देर न लगी कि ये वही सवाल हैं, जो एग्जाम में आने वाले हैं। उसने तुरंत जेब से पापा का स्मार्टफोन निकाला और एक-एक कर सवालों के स्क्रीनशॉट लेने लगा। रेड्डी सर उसे ऐसा करने से मना कर रहे थे, पर अयान ऐसा मौका अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहता था। सर के कई बार मना करने के बावजूद अयान ने उनकी एक न सुनी। जब आखिरी सवाल का स्क्रीनशॉट लेने के बाद अयान ने रेड्डी सर की तरफ देखा तो उनके चेहरे पर एक मुस्कान थी।

उसने पूछा,'आप मुस्करा क्यों रहे हैं?'

सर ने जवाब दिया, 'तुम्हारे पास एग्जाम में आने वाले सारे सवालों की लिस्ट तो है, पर यह किसी काम की नहीं है।'

अयान ने पूछा, 'क्यों? मैं कल की छुट्टी में इन्हीं सवालों के जवाब तैयार कर लूंगा। फिर मुझे कौन रोक पाएगा फिजिक्स में टॉप करने से?'

'क्योंकि यह कोई हकीकत नहीं, बल्कि सपना है। वह भी आम सपना नहीं, बल्कि सपने के अंदर सपना है। यानी कि अभी तुम सपने के दूसरे स्तर पर हो। तुम चाह कर भी इससे बाहर नहीं जा सकते।'

अयान को काटो तो खून नहीं।

'यह कैसे हो सकता है? ऐसा तो मैंने एक हॉलीवुड फिल्म में देखा था। और अगर है भी तो, तो.मैं अभी सो जाता हूं। जब उठूंगा तो इस सपने से बाहर आ जाऊंगा। स्क्रीनशॉट तो मेरे फोन में है ही।'

ऐसा कहकर अयान सोने की कोशिश करने लगा, पर रेड्डी सर की हंसी के चलते उसे चाह कर भी नींद नहीं आ रही थी। वह बहुत लाचार महसूस कर रहा था। अयान पढ़ाई में अच्छा था, लेकिन फिजिक्स में कुछ कमजोर था। रेड्डी सर का दिमाग पढ़कर हासिल किए गए सवालों की लिस्ट उसे फिजिक्स में टॉप करने का एक आसान रास्ता लग रही थी, पर ऐसा करने के लिए उसे इस सपने से बाहर आना था। और ऐसा हो नहीं पा रहा था। तभी उसे अपनी योगा क्लास में सीखा गया ध्यान लगाने का तरीका याद आया। उसने तुरंत ही आंखें बंद कीं, ध्यान लगाया और कुछ ही मिनट बाद वह गहरी नींद में था। पर यह क्या, जब उसकी आंख खुली तो वह एक बार फिर से रेड्डी सर के घर में था।

उसने माथा पीट लिया। 'तो यह सच है! मैं सचमुच एक सपने के अंदर सपना देख रहा हूं!' एक बार फिर अयान ध्यान लगाने की कोशिश करने लगा, पर इस बार रेड्डी सर के घर में इतना शोर था कि वह ध्यान नहीं लगा पाया। खीझ से उसकी आंखें भर आईं। तभी अचानक एक तेज आवाज ने उसे और रेड्डी सर- दोनों को चौंका दिया। इस बार उसने खुद को अपने घर के बिस्तर पर पाया। आवाज अलार्म घड़ी की थी। उसके हाथ में था मशहूर कवि एडगर एलन पो की कविता 'ए ड्रीम विदिन ए ड्रीम' का प्रिंटआउट और सामने टीवी स्क्रीन पर चल रही थी एक हॉलीवुड फिल्म, जिसमें हीरो खास मकसद से सपने के अंदर सपना और उस दूसरे सपने के अंदर एक और सपना देखता है। इस दौरान वह एक दूसरे व्यक्ति के दिमाग से जानकारियां चुराता है।

अब अयान को सारा माजरा समझ में आया। उसने स्मार्टफोन तलाशने के लिए अपनी जेब में हाथ डाला, पर फिर देखा कि वह तो सामने मेज पर रखा हुआ था। सपनों के कई स्तरों वाली इस फंतासी के बारे में सोचते-सोचते कब वह खुद ही इसमें डूब गया, उसे पता ही नहीं चला। उसे अपनी सोच पर हंसी आ गई और यह सोचकर तो और भी हंसी आई कि जब वह रेड्डी सर को इस सपने के बारे में बताएगा तो वह कितना हंसेंगे। उसने मम्मी को आवाज लगाई, 'मम्मी, जल्दी से नाश्ता लगा दीजिए। मुझे आज दिन भर फिजिक्स के एग्जाम की तैयारी करनी है।'

ऑस्ट्रिया में मिलती हैं लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स

टूरिज्म और घुमक्कड़ लोगों के लिए पहचाने जाने वाले देश ऑस्ट्रिया में लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स मिलती हैं वो भी सैलेरी के साथ। यहां के कर्मचारियों को 20 से भी ज्यादा पेड वैकेशन्स और दो दर्जन से भी ज्यादा पेड हॉलिडे मिलते हैं।

टूरिज्म और घुमक्कड़ लोगों के लिए पहचाने जाने वाले देश ऑस्ट्रिया में लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स मिलती हैं वो भी सैलेरी के साथ।

हां पढ़ने में यह बात थोड़ी अटपटी लग सकती है लेकिन असल में पूरा ग्लोब कई सारी रोमांचक और ज्ञान बढ़ाने वाली चीजों से भरा पड़ा है। ऐसे ही कुछ फैक्ट्स चलो आज मिलकर जानते हैं।

टूरिज्म और घुमक्कड़ लोगों के लिए पहचाने जाने वाले देश ऑस्ट्रिया में लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स मिलती हैं वो भी सैलेरी के साथ। यहां के कर्मचारियों को 20 से भी ज्यादा पेड वैकेशन्स और दो दर्जन से भी ज्यादा पेड हॉलिडे मिलते हैं। जबकि अमेरिका एकमात्र ऐसा विकसित देश है जहां लोगों को कानूनी तौर पर एक भी पैड वैकेशन या हॉलीडे नहीं मिलता। दुनिया के कुछ देश ऐसे भी हैं जहां के लोगों की जीविका का मुख्य आधार उनके देश में आने वाले पर्यटक होते हैं लेकिन यह जानना और भी मजेदार है कि अमेरिका का हर आठ में से एक जॉब किसी न किसी तरह ट्रेवल और टूरिज्म से जुड़ा होता है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया की सबसे लम्बी फ्लाइट ट्रिप यानी हवाई यात्रा ऑस्ट्रेलिया में सिडनी से अमेरिका के डलास तक की है। इस एक बार के सफर को पूरा करने में लगभग 16 घंटे लगते हैं। वहीं सबसे कम समय की यात्रा के लिए एक स्कॉटिश टापू का सफर चुना जा सकता है। यह सफर मात्र 2 मील का होता है जहां फ्लाइट सिर्फ दो मिनट में पहुंचा देती है। अलग-अलग टाइम जोन्स में घूमकर चक्कर खाने का मन हो तो फ्रांस की सैर पर जाओ। यहां लगभग 12 अलग-अलग टाइम जोन्स का एक्सपीरियंस हो सकता है। यही नहीं फ्रांस दुनियाभर में मोस्ट विजिटेड कंट्री यानी सबसे ज्यादा घूमी जाने वाली जगह भी है।

सेहत भरी ताजी हवा लेने का इरादा हो तो रूस जाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। यह बड़ा ही मजेदार फैक्ट है कि रूस दुनिया में ज्यादा ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। बच्चों के मामले में सबसे अच्छी शिक्षा देने वाले फिनलैंड में डोनाल्ड डक के कॉमिक्स पर बैन है क्यूंकि डोनाल्ड डक केवल शर्ट ही पहनता है।

खास खबर

वन विभाग की रेड, 175 नग सागौन लकड़ी जब्त

दंतेवाड़ा। जिले में अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। लड़की माफियाओं के अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर सागौन चिरान फारा 175 नग जब्त किया गया है। जब्त सागौन की कुल मात्रा 3.351 घन मीटर है। मामला दंतेवाड़ा वन परिक्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि, गढ़मिरी में लकड़ी तस्कर ने सागौन चिरान अपने एक ठिकाने में छिपा रखा है। जिसके बाद DFO रंगानाधा रामाकृष्णा वाय के निर्देश पर एक टीम बनाई गई। जिसमें अधिकारी-कमर्चारी सोहन लाल वर्मा, जेपी मिश्रा, संतोष नाग, लक्ष्मीनारायण नागे, परिसर रक्षक कोमल राम साहू समेत अन्य को शामिल किया गया।

टीम ने गढ़मिरी के रहने वाले कोसा और भीमा के अलग-अलग ठिकाने में अचानक दबिश दी। जिसके बाद करीब 175 नग सागौन लकड़ी जब्त की गई है। DFO रंगानाधा रामाकृष्णा वाय ने कहा कि, बेशकीमती लकड़ियों की अवैध तस्करी करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान के दौरान कोसा और भीमा के खिलाफ काष्ठ चिरान अधिनियम 1984 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 15455/02 और 15455/03 दर्ज किया गया है।

2 लाख का केबल चोरी, कबाड़ी सहित 6 गिरफ्तार

कोरबा। आरडीएसएस योजना के गोदाम से 2 लाख रुपये कीमत का एल्यूमिनियम केबल चोरी के मामले में उरगा पुलिस ने कबाड़ी समेत कबाड़ चोर गिरोह को पकड़ लिया। लबेद गांव में बिजली विभाग का केबल कन्वर्जन कार्य पूरा होने के बाद केबल-तार गोदाम में रखा गया था। सोमवार रात चोरों ने धावा बोलकर सारा माल उड़ा लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना से संदेह के आधार पर मालवाहक ट्रक तक पहुंची। चालक से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने झगरहा के कबाड़ी मदन अग्रवाल (43) के संरक्षण में गिरोह द्वारा चोरी करना कबूल लिया। मुख्य आरोपी कबाड़ी मदन समेत सुरेश कुमार सोहा (34), संजय मंडावर (28), सचिन बागड़ी (25), अर्जुन गोड़ (22) और सागर कुमार बरेठ (22) को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से चोरी का पूरा केबल-तार बरामद हो गया। सभी को कोर्ट पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस ने अन्य संलिप्तों की तलाश जारी रखी है।

अंतरजिला गैस सिलेंडर चोर गिरोह का भंडाफोड़

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, उनके कब्जे से कुल 13 गैस सिलेंडर बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आरंग पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गैस सिलेंडर चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के महज 24 घंटों के भीतर कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी और चोरी का माल खरीदने वाले दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से कुल 13 गैस सिलेंडर बरामद किए गए हैं।

मामले का खुलासा करते हुए ऊढ लम्बोदर पटेल ने बताया कि प्रार्थी राजकुमार टंडन, जो ग्राम गुल्लू में ह्यराजहंस चॉइस सेंटरह्न चलाते हैं और गैस वितरण का कार्य करते हैं, ने 27 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 20 जनवरी को जब वे निजी काम से आरंग गए थे, तब अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान के सामने रखे सिलेंडरों में से 04 भरे हुए एचपी सिलेंडर पार कर दिए थे। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति नीले रंग की एक्टिवा पर अपने साथी के साथ सिलेंडर ले जाते हुए दिखाई दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश कुमार साहू के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी विश्लेषण और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही की लोकेशन रायपुर के राजेंद्र नगर क्षेत्र में मिली। आरंग पुलिस की टीम ने तत्काल दबिश देकर घेराबंदी की और आरोपी कन्हैयालाल राजपाल सिंधी को उसके घर के पीछे से भागते हुए पकड़ा।कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी कन्हैयालाल ने अपने साथी मुकेश कुकरेजा के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। उसने बताया कि वह लंबे समय से रायपुर और महासमुंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय था।

उसने अब तक की गई चोरियों का विवरण भी दिया है- दिसंबर 2025: पटेवा (महासमुंद) से 02 सिलेंडर। 04 जनवरी 2026: गुढ़ियारी(रायपुर) से 02 सिलेंडर। 10 जनवरी 2026: बसना कॉलोनी (महासमुंद) से 01 सिलेंडर। 13 जनवरी 2026: अभनपुर से 02 सिलेंडर। 25 जनवरी 2026: सांकरा-भगतदेवरी (महासमुंद) से 02 सिलेंडर। माल खरीदने वाला दुकानदार भी धराया आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने गुढ़ियारी स्थित ह्यगुप्ता बर्तन दुकानह्न पर छापा मारा। दुकानदार विकास कुमार गुप्ता चोरी के सिलेंडरों को कम दाम में खरीदता था। पुलिस ने उसकी दुकान से चोरी के 11 खाली सिलेंडर बरामद किए हैं।

मुख्य आरोपी कन्हैयालाल राजपाल सिंधी एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ रायपुर के पुरानी बस्ती, टिकरापारा और देवेंद्र नगर थानों में भी चोरी के मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों के नाम- कन्हैयालाल राजपाल सिंधी (48 वष): निवासी न्यू राजेंद्र नगर, रायपुर। विकास कुमार गुप्ता (23 वष): निवासी गुढ़ियारी, रायपुर। इस पूरी कार्रवाई में सउनि पुष्पानंद ध्रुव, प्रआर प्रदीप त्रिपाठी, आरक्षक युगलकिशोर चन्द्राकर और सैनिक दुर्गेश चन्द्राकर की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

आयुष्मान योजना : अस्पतालों का भुगतान अटका अस्पतालों ने इलाज बंद करने की दी है चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री जन आरोग्य एवं शहीद वीरनारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत निजी अस्पतालों को पिछले करीब पांच महीनों से भुगतान नहीं मिल पाया है। इस दौरान लंबित राशि लगभग 600 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। भुगतान में हो रही देरी को लेकर निजी अस्पतालों के डॉक्टरों में गहरी नाराजगी है और यदि 10 दिनों के भीतर राशि जारी नहीं की गई तो इलाज सेवाएं बंद करने जैसे कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी गई है।

निजी अस्पतालों के संचालन में आ रही दिक्कतों को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया की शनिवार और रविवार को अलग-अलग बैठकें आयोजित हुईं। इन बैठकों में आयुष्मान योजना भुगतान में देरी, बायोमेडिकल वेस्ट के नाम पर लगाए जा रहे भारी यूजर चार्ज और प्रशासनिक जटिलताओं को लेकर तीखी चर्चा हुई। निजी अस्पतालों के चिकित्सकों ने बताया कि आयुष्मान योजना की भुगतान प्रक्रिया को अब तक सरल नहीं किया गया है। लगातार पांच महीने से भुगतान नहीं मिलने के कारण छोटे और मध्यम स्तर के अस्पतालों के सामने संचालन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। डॉक्टरों के अनुसार, नियमित खर्चों और स्टाफ के वेतन भुगतान में भी कठिनाइयां आ रही हैं।

प्रदेश में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए निजी अस्पतालों को वर्ष 2018 में तय की गई दरों के अनुसार भुगतान किया जा रहा है। इन दरों में संशोधन को लेकर कई बार चर्चा हुई, लेकिन अब तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया है।

प्रेम संबंध के चलते नाबालिग किशोरी को ले भागा, गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

प्यार मोहब्बत के नाम पर कभी बालिग तो कभी नाबालिग लड़कियों को भगाने वाले लड़कों को समझना होगा कि लड़की के एक बयान बदलते ही उनकी जिंदगी कैसे बदल जाएगी। उनका घर बदल जाएगा। उनका पता बदल जाएगा। उनका खाना बदल जाएगा, उनके वस्त्र बदल जाएंगे। उसकी जिंदगी बदल जाएगी, उसका भविष्य बदल जाएगा, लेकिन फिर भी ऐसा कोई दिन नहीं जब हारमोंस के प्रभाव से कोई ना कोई नौजवान ऐसा कदम उठा ही लेता है।

इस बार यह गलती रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दोना सागर में रहने वाले 19 साल के सुमित कुमार यादव ने

की है, जिसका गांव की एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर प्रेम संबंध था और उसने लड़की को सुनहरे भविष्य के सपने दिखाए। खुद की उम्र शादी की नहीं ना लड़की की, लेकिन शादी के नाम पर दोनों ही घर से भाग गए। इधर लड़की के अचानक गायब हो जाने के बाद उसके परिजन परेशान हुए और रतनपुर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग लड़की को भगा ले जाने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया और दोनों की तलाश शुरू की तो पता चला कि दोनों कोरबा जिले के पाली में छुपे हुए हैं। तुरंत पुलिस की एक टीम पाली गई, जहां सुमित कुमार यादव के पास से नाबालिग किशोरी बरामद हुई।

पता चला कि वह उसे जबरदस्ती भगा कर ले गया था और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध भी बनाए थे, फलस्वरूप 19 साल के सुमित यादव के खिलाफ पुलिस ने अपहरण बलात्कार के साथ पोक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि उसके सर से अब प्यार का भूत पुरी तरह से उतर गया होगा। गांव के नौजवानों अगर यह खबर पढ़ रहे हो तो इतना जान लो कि अगर सच में प्यार भी करते हो तो लड़की की शादी की उम्र 18 साल और लड़के की 21 साल है। इससे पहले अगर भागे तो फिर लड़के के भाग्य में जेल और लड़की के भाग्य में बदनामी के सिवा कुछ नहीं आने वाला। इसलिए अगर प्यार है तो बालिग होने का इंतजार करो नहीं तो फिर पूरी जिंदगी ऐसे ही तबाह हो जाएगी।

कार के खिड़कियों पर बैठकर युवक कर रहे थे स्टंट, बिलासपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील इलाकों में शामिल गांधी चौक रोड पर जानलेवा स्टंटबाजी का एक गंभीर मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए चार युवकों को चिन्हित कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। वायरल वीडियो में युवक चलती कार की खिड़कियों पर बैठकर खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं, जिससे सड़क पर चल रहे आम नागरिकों की जान को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया था।

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में हुंडई i-20 कार (क्रमांक CG12 BT 1243) दिखाई दे रही है, जिसमें सवार युवक चलती गाड़ी की खिड़कियों और दरवाजों पर बैठकर स्टंट कर रहे हैं। यह घटना गांधी चौक रोड जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले मार्ग पर हुई, जहां दिनभर यातायात का दबाव रहता है। इस तरह की लापरवाही किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि वाहन चालक द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाया जा रहा था और स्टंटबाजी का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया, विशेषकर इंस्टाग्राम पर वीडियो को वायरल कर लोकप्रियता हासिल करना था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी वंश सक्तेल, कुनाल साहू, शाहरूख इरानी और वाहन चालक हर्षवर्धन सिंह को चिन्हित किया है।

सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281 और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। इसके अलावा मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 (खतरनाक ड्राइविंग) और धारा 189 के अंतर्गत भी कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि यह कृत्य न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ भी है। घटना में प्रयुक्त कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है। साथ ही वाहन चालक हर्षवर्धन सिंह के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर स्टंटबाजी, रैश ड्राइविंग और सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के लिए की जाने वाली जानलेवा हरकतों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में आगे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने युवाओं और आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना गतिविधियों से दूर रहें। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया की सनक किस तरह लोगों की जान को खतरे में डाल सकती है, जिसे रोकने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है।

सड़क सुरक्षा माह : बिना हेलमेट वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही, फ्री में बांटे गए हेलमेट

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान रायगढ़ पुलिस विविध जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन के मध्य पहुंचकर यातायात नियमों के पालन एवं उनके महत्व की जानकारी दे रही है, जिससे नागरिक सुरक्षित रह सकें और भावी दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

इसी कड़ी में आज राष्ट्रीय राजमार्ग 153 अंतर्गत ग्राम तेतला में यातायात पुलिस रायगढ़ द्वारा बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चलाने वालों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही की गई तथा उन्हें हेलमेट की उपयोगिता बताते हुए निःशुल्क हेलमेट प्रदान किए गए। जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता के तहत लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर बिना हेलमेट वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए जा रहे हैं। आज नेशनल हाईवे 153 पर हेलमेट के महत्व पर आधारित विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चालानी कार्यवाही उपरांत वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर एडिशनल एसपी अनिल सोनी एवं ट्रैफिक डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह ने स्वयं वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान कर उसके नियमित उपयोग का महत्व समझाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि जिंदगी अमूल्य है, इसे थोड़ी सी लापरवाही से जाया न करें। स्वयं की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें तथा जब भी दुपहिया वाहन चलाएं, हेलमेट अवश्य धारण करें। इस दौरान एडिशनल एसपी अनिल सोनी एवं ट्रैफिक डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह के साथ थाना प्रभारी पुसौर निरीक्षक रामकिंकर यादव सहित थाना यातायात एवं थाना पुसौर का स्टाफ भी उपस्थित रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अडानी ग्रुप का विशेष सहयोग रहा।

बलौदाबाजार में अवैध धान के विरुद्ध प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 350 कट्टा धान जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

शासन के मंशानुरूप जिले में पारदर्शी धान खरीदी हेतु जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिले में अवैध धान के भंडारण और परिवहन के विरुद्ध सतत कार्रवाई जारी है।

इसी क्रम में राजस्व और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने 350 कट्टा अवैध धान जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील पलारी दो अलग अलग प्रकरणों में 216 कट्टा अवैध धान जब्त कर उपार्जन केन्द्र रोहांसी के सुपुर्द दिया गया। ग्राम बोहारडीह में अश्वनी कुमार साहू के पास से 26 कट्टा तथा कसडोल के ग्राम रिकोखुर्द में पवन कुमार

साहू पिता गजाधर द्वारा 108 कट्टा धान का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। संयुक्त टीम ने तत्परता दिखाते हुए धान को वाहन सहित जब्त कर लिया और उसे रिकोखुर्द के कोटवार की सुपुदर्गी में दिया गया। जिला प्रशासन शासन की मंशानुरूप पारदर्शी धान खरीदी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और बिचौलियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाए हुए है। शासन के दिशा-निर्देशों के तहत जिले भर में निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके।

कार्रवाई

गिरोह चोरी की वारदातों को सुनियोजित तरीके से अंजाम देकर स्थानीय बाजार में बेचता था चोर

बिलासपुर में मोटरसाइकिल चोरी का बड़ा गिरोह का भांडाफोड़

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

न्यायधानी बिलासपुर में सिटी कोतवाली पुलिस ने एक बड़े मोटरसाइकिल चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई के तहत पांच चोरी की मोटरसाइकिलें और लाखों रुपये मूल्य का मशरूका जब्त किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी आयुष एक्का को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य अपरिचित बालकों को हिरासत में लिया गया है। वहीं एक अन्य आरोपी हरिओम जोशी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है।

पुलिस ने बताया कि यह गिरोह बिलासपुर शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय था। गिरोह बुलेट, पल्सर और जावा जैसी महंगी मोटरसाइकिलों की चोरी करता था।

जब्त की गई पांचों मोटरसाइकिलों की कुल कीमत लगभग 3 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह चोरी की वारदातों को सुनियोजित तरीके से अंजाम देता था और चोरी की गई संपत्ति को स्थानीय बाजार में बेचकर आर्थिक लाभ कमाता था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने शहर में सूने मकानों से की गई कई चोरी की वारदातों को भी स्वीकार किया। उनके कब्जे से चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार भी बरामद किए गए हैं, जिनमें हथौड़ी, कटर, मास्क और अन्य उपकरण शामिल हैं। यह सबूत गिरोह की सक्रियता और उनकी योजना की गंभीरता को उजागर करता है।

सिटी कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई एसीसीयू, संकरी और मोपका पुलिस की संयुक्त टीम के साथ की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गिरोह के सदस्य आयुष एक्का को गिरफ्तार किया और अन्य दो अपचारी बालकों को हिरासत में लिया। फरार आरोपी हरिओम जोशी की तलाश तेज कर दी गई है और पुलिस का दावा है कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई का मकसद शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को रोकना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी दोपहिया वाहनों की सुरक्षा में सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस गिरफ्तारी से बिलासपुर में चोरी की वारदातों में कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि गिरोह के अन्य संभावित सहयोगियों की पहचान के लिए जांच जारी है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से, पुलिस ने बताया कि यह गिरोह विशेष रूप से उच्च कीमत वाली मोटरसाइकिलों को निशाना बनाता था, जिससे उनकी आर्थिक लाभ की क्षमता अधिक थी। पुलिस की यह कार्रवाई गिरोह के अन्य प्रयासों को विफल करने में अहम भूमिका निभाएगी। सिटी कोतवाली के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "हम ऐसे गिरोहों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और चोरी जैसी घटनाओं में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।" यह मामला बिलासपुर में कानून व्यवस्था और सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नागरिकों में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने में यह कार्रवाई एक

स्कूल में आया की क्रूरता, रायपुर के नसर्री स्कूल का वीडियो वायरल

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

राजधानी रायपुर के हीरापुर रोड, मोहबा बाजार स्थित एक निजी स्कूल फास्ट क्राई इंटेलाइटोटस प्री स्कूल एवं डे-केयर में मासूम बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार का गंभीर मामला सामने आया है। अ
ारोप है कि गणतंत्र दिवस की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में तय यूनिफॉर्म पहनकर नहीं आने वाले बच्चों को एक कमरे में बंद कर दिया गया। इतना ही नहीं, एक तीन वर्षीय बच्ची को स्टाफ द्वारा जोर से धक्का देने से उसका सिर दीवार से टकरा गया, जिससे सिर में सूजन आ गई और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

पीड़ित बच्ची की मां, जो पेशे से अधिवक्ता हैं, की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने स्कूल स्टाफ के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 75 तथा भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 115(2) और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में स्कूल की आया माधुरी को बच्ची के साथ मारपीट और प्रताड़ना का आरोपी बनाया गया है, जबकि अन्य बिंदुओं पर जांच जारी है।

एफआईआर के अनुसार 23 जनवरी को बसंत पंचमी के दिन टोडलर क्लास में पढ़ने वाली तीन वर्षीय बच्ची को उसकी मां स्कूल छोड़ने गई थीं। टिफिन कराने के बाद मां ने आया से बच्ची का मुंह धुलवाने को कहा। कुछ देर बाद बच्ची तेज रोते हुए लौटी, जिस पर आया ने हेयरबैंड गिरने की बात कही, लेकिन बच्ची के सिर में स्पष्ट सूजन थी। बाद में सीसीटीवी फुटेज देखने पर सामने आया कि बच्ची का सिर जानबूझकर दीवार से टकराया गया।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया बोरसी वार्ड में पुलिस सहायता केंद्र का शुभारंभ

मांग और सुरक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शासन का यह एक महत्वपूर्ण कदम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बोरसी कॉलोनी स्थित वार्ड क्रमांक 51-52 में पुलिस सहायता केंद्र का केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने शुभारंभ किया। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग और सुरक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शासन की ओर से यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्र के नागरिकों ने मंत्री गजेन्द्र यादव का जोरदार तालियों से स्वागत अभिनन्दन कर उनका आभार जताये।

इस अवसर पर उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की बोरसी कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्रों में आबादी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने तथा आम नागरिकों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए पुलिस सहायता केंद्र की स्थापना आवश्यक थी। पुलिस सहायता केंद्र के प्रारंभ होने से अब स्थानीय लोगों को छोटी-बड़ी समस्याओं के शिकायत - समाधान के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। बोरसी के वार्ड 51-52 क्षेत्र में पुलिस सहायता केंद्र की स्थापना से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित कारवाई संभव हो सकेगी। इससे महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों की सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। पुलिस की नियमित उपस्थिति से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनेगा।

इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह और पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने क्षेत्र के नागरिकों को पुलिस सहायता केंद्र की शुभकामना देते हुए आम जनता से अपील किये कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाया जा सके।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, वार्ड पार्षद साजन जोसफ, गुलशन साहू, श्रीमति हीरोंदी चंदानिया, कुलेश्वर साहू, भाजयुमो अध्यक्ष हिमांशु सिंह, अनिकेत यादव, भूपेंद्र साहू, पार्षदगण, कार्यकर्त्ता, सहित क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

पावर हाउस क्षेत्र में फिर चलेगा बुलडोजर सड़क पर कब्जा हटेगा, निगम आयुक्त ने दिया कब्जा हटाने का आदेश

भिलाई। पावर हाउस क्षेत्र में एक बार फिर से बुलडोजर चलाया जाएगा। निगम प्रशासन इस क्षेत्र से अवैध कब्जा हटाने वाला है। इसलिए निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय जोन आयुक्त को अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया है।

निगम के अधिकारी बुधवार को जोन-3 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे। जब उन्होंने देखा कि सड़क किनारे अवैध कब्जा है। फुटकर व्यापार सड़क किनारे कब्जा करके दुकान चला रहे है। इससे सड़क बाधा हो रही है। यातायात प्रभावित होता है। इसलिए जोन 3 के आयुक्त कुलदीप गुप्ता को आदेश दिया है कि जल्द ही कब्जा हटाया जाए। इसके बाद पावर हाउस सब्जी मार्केट, निर्माणाधीन डोम शेड, यातायात सुगमता के लिए प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कार्यों का की जांच की। सब्जी मार्केट में गंदगी देख कर आयुक्त नाराज हुए और साफ-सफाई बेहतर करने का आदेश दिए। लाल मैदान में निगम डोम शेड बना रहा है। जिसकी जांच किए और कुछ खामियां देखी, जिसे सुधरने का आदेश दिए। डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति के समीप नेशनल हाईवे से सटी सड़क के संकरा है। यातायात को सुगम बनाने डिवाइडर को 1 मीटर पीछे किया जाएगा। अंबेडकर मूर्ति के पीछे खाली जमीन पर रिड्यूस, रियूस, रीसाइकिल का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य पुरानी सामग्रियों का पुनः उपयोग और रीसायकल कर शहर को प्रदूषण मुक्त बनाना होगा।

पावर हाउस चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 'कबाड़ से जुगाड़' मॉडल को अपनाने पर जोर दिया गया है, ताकि कम लागत में चौक को आकर्षक बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान उप अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव सहित अन्य निगम कर्मी मौजूद रहे।

भिलाई स्टील प्लांट के ठेका श्रमिकों की 16 मांगें सामने, इंटक यूनियन ने वेतन व सुविधाओं पर संघर्ष का ऐलान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में कार्यरत ठेका श्रमिकों के हितों को लेकर स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक ने आवाज बुलंद की है। यूनियन ने कहा है कि संयंत्र देश के प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों में से एक है और इसकी उत्पादन क्षमता 7 मिलियन टन है। संयंत्र के उत्पादन और रखरखाव में बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक कार्यरत हैं, जिनकी भूमिका बेहद अहम है।

यूनियन के अनुसार, बीएसपी में करीब 26 हजार ठेका श्रमिक तीनों शिफ्टों में काम कर रहे हैं और उत्पादन में उनका लगभग 70 प्रतिशत योगदान है। इसके बावजूद उन्हें समान वेतन और पर्याप्त सामाजिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इसी को लेकर यूनियन ने 16 सूत्रीय मांग पत्र जारी कर आंदोलन जारी रखने की घोषणा की है। प्रमुख मांगों में समान काम के बदले समान वेतन, एस-1 ग्रेड का वेतनमान, न्यूनतम 26 हजार रुपये मासिक वेतन, केंद्रीय न्यूनतम वेतन लागू करना, वेतन पर्ची और राष्ट्रीय अवकाश की सुविधा शामिल है। साथ ही रात्रि भत्ता, प्रतिदिन एडिशनल वेज अलाउंस, चिकित्सा सुविधा, कैंटीन, मोबाइल भत्ता और आवास भत्ता या बीएसपी आवास आवंटन की मांग भी की गई है।

यूनियन ने ठेका कंपनी बदलने की स्थिति में भी श्रमिकों की नौकरी सुरक्षित रखने, बेहतर काम करने वालों को प्रोत्साहन देने और उत्पादन के आधार पर मासिक इंसेंटिव देने की मांग उठाई है। श्रमिकों के बच्चों को बीएसपी स्कूलों में 50 प्रतिशत आरक्षण, 15 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, तथा सीपीएफ और ईएसआईसी की राशि समय पर जमा कराने की भी मांग की गई है। इसके अलावा संयंत्र के सभी गेटों से प्रवेश और दुपहिया वाहनों को अनुमति देने की बात भी रखी गई है। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि संयंत्र में सामाजिक न्याय, समान अवसर और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने ठेका श्रमिकों से यूनियन से जुड़कर अपने अधिकारों की लड़ाई में भाग लेने की अपील की है। यूनियन कार्यालय सेक्टर-4 में संचालित है, जहां निर्धारित समय पर श्रमिकों की समस्याओं पर बैठकें की जा रही हैं।

राज्यपाल और कुलाधिपति रमेन डेका की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम

5 को डी.लिट्, 64 को शोध उपाधि व 236 विद्यार्थियों को मिला पदक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

चार वर्ष के लंबे अंतराल के बाद इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा के संरक्षण एवं निर्देशन में 28 जनवरी 2026 को दीक्षांत समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा व वि.वि. के कार्यकारिणी सदस्य धरसींवा विधायक पद्मश्री डॉ. अनुज शर्मा सहित राजपरिवार के संस्थापक सदस्य और सबसे कम उम्र के विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी सदस्य राजा आर्यव्रत सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान एवं मां सरस्वती की प्रतिमा व राजकुमारी इंदिरा के तैलचित्र पर पुष्प अर्पण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद कुलगीत की प्रस्तुति संगीत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा दी गई। कुलपति प्रो.(डॉ.)लवली शर्मा ने उपाधि प्राप्तकर्ताओं को अनुशासन दिया। जिसके बाद कुल 05 शोधार्थियों को डी.लीट की उपाधि प्रदान की गई वहीं 64 शोधार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की गई। इसी तरह कुल 236 विद्यार्थियों को पदक वितरण किया गया। जिसमें 232 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 04 विद्यार्थियों को रजत पदक दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका के कर कमलों से राजकुमारी शारदा देवी सिंह बावली नामपट्टिका का अनावरण किया गया। विश्वविद्यालय प्रांगण में स्थित यह बावली प्राचीन धरोहर है, जिसका संरक्षण किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रो (डॉ.) लवली शर्मा ने उपस्थित अतिथियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कौस्तुभ रंजन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग के द्वारा किया गया। वहीं आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ. सौमित्र तिवारी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कमर्चारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाह कर रहा इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय- टंकराम वर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि किसी भी देश अथवा समाज को सभ्य और सुसंस्कृत बनाने के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा से ही समाज, कलाओं और व्यवसाय में उन्नति कर पाता है। भावी पीढ़ी को जैसा बनाना हो वैसा ढालने के लिए शिक्षा पद्धति ही एक साँचे का काम करती है। माता कौशल्या की जन्मभूमि, शबरी की तपोभूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हमारा छत्तीसगढ़ धन-धान्य से परिपूर्ण है। हमारे लिए यह गौरव का विषय है, कि विदेशों में इस विश्वविद्यालय के द्वारा भारतीय संस्कृति का प्रसार हो रहा है। प्राचीन काल में शिक्षा गुरुकुल में हुआ करती थी, उसी परम्परा का निर्वाह समीन्नत रूप में इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय कर रहा है। इसके संस्थापक राजा वीरेन्द्र बहादुर एवं रानी पद्मावती देवी को मैं प्रणाम करता हूँ। उनके दान स्वरूप उनकी पुत्री राजकुमारी इन्दिरा की स्मृति में स्थापित यह विश्वविद्यालय हमारे छत्तीसगढ़ का मुकुटमणि और एशिया का गौरव है। उन्होंने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वालों को बधाई देते हुये कहा कि आप हर क्षण सीखने-सीखाने और राष्ट्र सेवा में लगे। ललित कलाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति के ध्वज वाहक बनें।

दीक्षांत समारोह केवल प्रमाण-पत्र बांटने की रस्म नहीं भविष्य के संकल्प का दिन है- लवली शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल प्रमाण-पत्र बांटने की रस्म नहीं है, यह अपनी उपलब्धियों के सिंहावलोकन और भविष्य के संकल्प का दिन है। मुझे गर्व है कि हमारे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परचम न केवल प्रदेश में बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लहराया है। इस दौरान कुलपति प्रो (डॉ) लवली शर्मा ने विश्वविद्यालय में निरंतर हो रहे नवाचारों की जानकारी दी। साथ ही उन्होने बताया कि किस तरह कुलपति के साथ ही यहां के शिक्षकों के द्वारा नवाचार के तहत शासन के विभिन्न विभागों से अनुदान लेकर विविध कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सहित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के महोत्सवों में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभागिता की भी जानकारी प्रदान की। उन्होंने सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सोहन लाल द्विवेदी जैसे महाकवियों की कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवं धरसींवा विधायक पद्मश्री डॉ. अनुज शर्मा ने भी संबोधित किया और उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वालों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

विश्वविद्यालय को ज्ञान का मशाल कहा जाता है और दीक्षान्त समारोह उसकी गरिमा को बढ़ाता

राजकुमारी इन्दिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय के नाम से जाना जायेगा खैरागढ़ का संगीत विश्वविद्यालय - राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका ने की घोषणा दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका ने कहा कि खैरागढ़ का यह संगीत विश्वविद्यालय राजकुमारी इन्दिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय के नाम से जाना जायेगा। इसके लिये उन्होने विश्वविद्यालय प्रशासन से सभी प्रक्रियाएं पूर्ण करने की बात कही। उन्होने आगे कहा कि विश्वविद्यालय को ज्ञान का मशाल कहा जाता है और दीक्षान्त समारोह उसकी गरिमा को बढ़ाता है। भारतीय संस्कृति की बहुमूल्य धरोहर ललित कलाओं के विकास में इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का अविस्मरणीय योगदान है। लघु भारत का स्वरूप इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय दानवीर राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह एवं रानी पद्मावती देवी के दान का प्रतिफल है। जो उन्होंने अपनी पुत्री राजकुमारी इन्दिरा की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए अपने महल को दान देकर उन पुण्यात्माओं ने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। कला राष्ट्र के जीवन का एक मुख्य अंग है। संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, स्थापत्य और साहित्य का सम्बन्ध प्रत्यक्ष रूप से जीवन और समाज से रहा है। आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य यंत्रवत और संवेदनहीनता की ओर बढ़ रहा है, इसे हमें रोकना है। ललित कलाओं के माध्यम से हम मानव जीवन में सरसता ला सकते हैं। कुलाधिपति रमेन डेका ने विश्वविद्यालय के सत्रहवें दीक्षान्त समारोह में पदक प्राप्तकर्ताओं एवं उपाधि धारकों को उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हुये उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

अव्यवस्था उठाव नहीं होने से केंद्रों में जाम, 49.71 लाख क्विंटल धान पड़ा है, रखने की जगह नहीं

धान खरीदी में दो दिन शेष, 87180 क्विंटल बढ़ा लिमिट, आज एक ही दिन में खरीदा जाएगा 2 लाख 56 हजार 190 क्विंटल धान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

धान खरीदी अब सिर्फ दो दिन शेष बचा है। दो दिन में प्रशासन को सभी किसानों का धान खरीदना होगा। इसके लिए टोकन भी टाके जारहे है। खरीदी की लिमिट बढ़ादी गई है। जिले में आज इस सीजन में पहली बार एक ही दिन में 2 लाख 56 हजार 190 क्विंटल धान खरीदी जाएगी।

आप को बतां दें कि दुर्ग जिले में 102 धान खरीदी केंद्र है। जिले के 1 लाख 13 हजार 623 किसानों में से 100705 ने अब तक करीब 51 लाख 34 हजार क्विंटल धान बेचा है। 12 हजार 918 किसान धान बेचने से बचे है। इसमें से कल और परसो के लिए 8777 किसानों को टोकन दिया गया है। पिछले साल तय तारीख तक किसान पूरा धान नहीं बेच पाए थे, तब कुछ दिनों के लिए तारीख बढ़ाई गई थी। लेकिन इसबार इसकी भी उम्मीद कम है। ऐसे में आशंका जताई ज रही है कि कुछ किसान धान नहीं बेच पाएंगे।

हालाकि अब सिर्फ दो दिन 29 और 30 जनवरी को आखरी खरीदी होगी। अभी तक 12918 किसान अपना धान नहीं बेच पाए है। धान खरीदी की तारीख बढ़ाने की उम्मीद भी कम है। इसलिए शासन से धान खरीदी की लिमिट रिकार्ड तोड़ बढ़ा दी है। लगातार दो दिन मंगलवार को 35510 और बुधवार को 87180 क्विंटल लिमिट बढ़ाया गया है। मतलब पहले दुर्ग जिले में एक दिन में 1 लाख 33 हजार 500 क्विंटल की खरीदी होती थी। लेकिन अब एक दिन में 2 लाख 56 हजार 190 क्विंटल धान खरीदी जाएगी। इसके लिए 29 जनवरी को 4785 और 30 को 3992 किसानों को टोकन जारी किया गया है। बावजूद अभी भी सैकड़ों किसान धान बेचने से बचे है।

हर केंद्र और स्टॉक की होगी जांच

खरीदी केंद्रों में धान रखने की पर्याप्त जगह नहीं है। और अब कलेक्टर ने नया आदेश जारी कर नया स्टेक बनाने का आदेश दे दिया है। इससे समिति प्रबंधन परेशानी में आ गए है। 27 जनवरी से जिले में जितने भी धान की खरीदी की जाएगी। उस धान का अलग से स्टेक बनाकर रखना है। हर स्टेक और धान के बोरे की जांच की जाएगी। प्रशासन में यह व्यवस्था गड़बड़ी रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए की है।

केंद्रों में जाम की नौबत

खरीदी केंद्रों में जाम की नौबत आ गई है। 32 लाख 68 हजार क्विंटल से ज्यादा धान जाम पड़ा है। बीते कई दिनों से धान का उठाव नहीं हो रहा है। जिले के 102 केंद्रों में से 82 केंद्र बफर लिमिट से पार हो गया है। 27 केंद्र ऐसे है ?जहां 40 हजार क्विंटल से ज्यादा धान रखा हुआ है। 11 केंद्रों में 50 हजार क्विंटल से ज्यादा धान रखा है। जैसे डोड़की में 60 हजार, केसरा 58550, डीडाभाठा में 57979, मोहरेगा में 57979, फुंडा में 56312 हजार, रौंदा में 55837, धमधा में 54826 क्विंटल से ज्यादा धान रखा हुआ है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।